वर्ष : 17 ❖ अंक : 300 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
गुरुवार, 08 जून 2023

देश में बीजेपी विरोधी लहर, देश की जनता चाहती है बदलाव : शरद पवार 3

पांच वर्षों में भारत में होंगे 200 एयरपोर्ट : सिंधिया 8

सीएम गोले का मानेबुंग-देंताम का तीन दिवस दौर शुरु

अधिकारियों को लोगों की समस्याओं के तत्काल निराकरण के दिए निर्देश

सरोज गुरुंग

देंताम, 07 जून । मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने आज से मानेबुंग-देंताम विधानसभा के तीन दिवसीय जनसभा कार्यक्रम की शुरुआत की है।

मुख्यमंत्री ने आज पहले दिन तीन ग्राम पंचायत इकाई सरदोंग-लुंगजिक, बंगतेंग-सापुंग और गीतांग-करमटार के लोगों से मुलाकात की। स्थानीय लोगों द्वारा उठाई गई समस्याओं एवं सामूहिक मांगों को ध्यानपूर्वक सुनकर संबंधित विभागों के अधिकारियों को उन्होंने आवश्यक मांगों एवं समस्याओं का त्वरित निराकरण करने का निर्देश दिया।

उन्होंने मरीजों से भी मुलाकात की और आश्वासन दिया कि सरकार द्वारा आवश्यक सभी वित्तीय सहायता और अन्य सहायता प्रदान की जाएगी। उधर, आज मुख्यमंत्री से मिलने पहुंचे लोगों में सरकारी नौकरी की तलाश में पढ़े-लिखे नौजवानों की भी बड़ी संख्या थी। देंताम में वन गेस्ट हाउस में आयोजित जनसभा में मुख्यमंत्री, मंत्रियों, सलाहकारों और अध्यक्षों के साथ मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव, अतिरिक्त राजनीतिक सचिव, गेजिंग जिले के जिला पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, राज्य विभाग के शीर्ष अधिकारी, प्रमुख गेजिंग जिला प्रशासन के साथ ही जिला, जिला व ग्राम पंचायत के विभिन्न विभागीय अधिकारी, सत्तारूढ़ एसकेएम पार्टी के पदाधिकारी व गरीब जनकल्याण प्रकोष्ठ के आला पदाधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने लोगों की मांगों, समस्याओं और शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल काम करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि अगर लोगों की मांगें जायज हैं तो वे तत्काल अपने स्तर पर इस पर कार्रवाई शुरू करें। वहीं गरीब जन कल्याण प्रकोष्ठ व स्वास्थ्य विभाग ने देंताम बीएसी व एसडीएम कार्यालय में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन कर विभिन्न बीमारियों से पीड़ित लोगों की मदद करने की जानकारी दी।

देंताम-मानेबुंग क्षेत्र में जनसभा कार्यक्रम 9 जून को समाप्त होगा। गुरुवार को मुख्यमंत्री मानेबुंग, सोपखा और बेगा ग्राम पंचायतों के लोगों से रूबरू होंगे। इसी तरह शुक्रवार को जनसभा कार्यक्रम के अंतिम दिन वे संकू-राडू-खांडू, हाई-जीपीयू और देंताम के लोगों से रूबरू होंगे। मुख्यमंत्री मानेबुंग-देंताम समूह के सत्तारूढ़ एसकेएम पार्टी के कार्यकर्ताओं से मिलने वाले हैं। उसके बाद तीन दिनों तक रिंचेनपोंग विधानसभा क्षेत्र में वे जनसभा कार्यक्रम शुरू करेंगे।

यूपीएससी परीक्षा में 151वीं रैंक हासिक करने वाली दीपिका अग्रवाल का हुआ भव्य स्वागत

संजय अग्रवाल

रंगपो, 07 जून । यूपीएससी परीक्षा में 151वीं रैंक हासिल कर परिवार, समाज और प्रदेश का नाम रोशन करने वाली दीपिका अग्रवाल कुछ समय के लिए अपने गृह राज्य सिक्किम लौट आई हैं। राजधानी गंगटोक एमजी मार्ग निवासी श्री ब्रह्मानंद अग्रवाल एवं श्रीमती ममता अग्रवाल की पुत्री दीपिका का आज सिक्किम मारवाड़ी समाज के बैनर तले छह संस्थाओं द्वारा एक स्थनीय होटल में अभिनंदन समारोह आयोजित किया।

सिक्किम अग्रवाल कुटुम्ब, सिक्किम माहेश्वरी सभा, मारवाड़ी युवा मंच गंगटोक सीटी सखा, श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ सभा एवं विप्रा फाउंडेशन जोन 7 सहित मारवाड़ी युवा मंच गंगटोक प्रेरणा साखा द्वारा सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। लगभग सभी संस्था से मिलाकर 80 से अधिक प्रतिनिधियों ने दीपिका अग्रवाल एवं उनके माता-पिता को पपारंपरिक खदा भेंट कर आने वाले दिनों के लिए शुभकामनाएं भी दी। सिक्किम अग्रवाल कुटुंब अध्यक्ष पवन मित्तल, सचिव अजय कुमार अग्रवाल, सिक्किम माहेश्वरी सभा अध्यक्ष महेंद्र मोहन मर्दा, सचिव राजीव मीमानी, मारवाड़ी युवा मंच गंगटोक सीटी साखा अध्यक्ष हेमंत अग्रवाल, मारवाड़ी युवा मंच प्रेरणा शाखा अध्यक्ष श्रीमती ज्योति अग्रवाल, श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ सभा सिक्किम के अध्यक्ष श्री मनीष जैन, सचिव श्री अमृत सिंघी, विप्र फाउंडेशन जोन 7 के अध्यक्ष श्री मिश्रीलाल शर्मा और सचिव श्री मोहन लाल उपाध्याय द्वारा हस्ताक्षरित अभिनंदन पत्र में दीपिका अग्रवाल और उनके माता-पिता को भी विसेश रूप से बधाई दी है।

दीपिका अग्रवाल ने अभिनंदन के दौरान अपना भाषण शुरू करते हुए कहा कि वह अपनी जन्मभूमि में मिले इतने ख्यार और आशीर्वाद से अभिभूत हैं और उन्होंने अपने जीवन में हमेशा परिवार, समाज और राज्य का नाम आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। उनसे हर संभव सहयोग के वादे के साथ आज के विधयार्थियों के साथ अपना अनुभव साझा करने का निर्णय लिया ताकि वह और अधिक विधयाथियों को यूपीएससी के लिए तैयार करा पाएं। उन्होंने कहा कि यदि संभव हुआ तो वह आने वाले दिनों में अधिक से अधिक बार विद्यार्थियों से मिलने का प्रयास करेंगी और कहा कि आज का दिन उनके लिए अविस्मरणीय रहेगा।

एसडीएफ के लेटरहेड पर फैलाई जा रही है फर्जी जानकारी : देव गुरुंग

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 07 जून । एसडीएफ पार्टी ने आरोप लगाया है कि पार्टी के फर्जी लेटर हेड पर गलत हस्ताक्षर के साथ कुछ गलत जानकारियां सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही है। यह आरोप पार्टी के प्रशासनिक और कानूनी मामले उपाध्यक्ष देव गुरुंग ने यहां एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर लगाया।

उन्होंने कहा कि यह हमारे संज्ञान में लाया गया है कि सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट पार्टी के लेटर हेड के तहत उपाध्यक्ष- प्रशासनिक और कानूनी मामले, एसडीएफ के हस्ताक्षर के साथ कुछ गलत जानकारी और गलत सामग्री सोशल मीडिया में व्यापक रूप से प्रसारित की जा रही है।

उदाहरण के लिए श्रीमती मीता जुल्का के नाम पर एक विशेष कार्यालय आदेश को प्रचारित किया जा रहा है और कहा गया है कि उन्हें महासचिव-प्रचार मामले (मुख्यालय) के रूप में नियुक्त किया जा रहा है।

उन्होंने कहा यह पूरी तरह से झूठी जानकारी है। यह आम जनता को गुमराह करने और गलत सूचना देने के लिए फैलाई जा रही है। इसलिए, एसडीएफ पार्टी साजिश और सार्वजनिक शरारत के ऐसे कृत्यों की निंदा करती है। इस प्रेस विज्ञप्ति के मद्देनजर सिक्किम पुलिस से भी कानून के शासन के अनुसार दोषियों के खिलाफ मामला दर्ज करने और स्वत: संज्ञान लेने का अनुरोध किया गया है।

उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन को यह संज्ञान में लेना चाहिए कि इस तरह की नकली, झूठी और मनगढ़ंत सामग्री को सोशल मीडिया में फैलाने की अनुमति दी जाती है, तो इससे राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़ सकती है और इसमें शामिल व्यक्तियों की छवि भी खराब हो सकती है।

ईट राइट मिलेट मेला का आयोजन

अनुगामिनी नि.सं.

नामची, 07 जून । नामची जिले के खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने आज बाल कृष्ण कसाजू सीनियर सेकेंडरी स्कूल, नामथांग के सभागार हॉल में ईट राइट मिलेट मेला (ईआरएमएम) का आयोजन किया । इस अवसर पर मुख्य अतिथि अतिरिक्त राजनीतिक सचिव (नामची) सुश्री कविता सापकोटा थीं। कार्यक्रम में चिकित्सा अधिकारी टीबी केंद्र डॉ. प्रतीक रसाईली, बीडीओ (नामथांग) श्री योगेन सैंगडेन, सीडीपीओ (नामची) श्री लक्ष्मण तमांग , प्राचार्य सुश्री उधशोनी खतिवड़ा, स्वास्थ्य शिक्षक (नामथांग , पीएचसी) सुश्री सोनाम डोमा लेप्चा, तकनीकी अधिकारी (नामथांग , पीएचसी) श्री एनबी सुब्बा, पंचायत सदस्य, आशा तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे ।

सभा को संबोधित करते हुए, मुख्य अतिथि ने कार्यक्रम के बारे में संक्षेप में बात करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य जीवन शैली की बीमारियों को दूर रखने के लिए दैनिक भोजन में बाजरे को शामिल करने को बढ़ावा देना है।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन सुरक्षित खाद्य प्रथाओं और खाद्य पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण, विशेष रूप से एक स्वस्थ और पौष्टिक भोजन विकल्प के रूप में बाजरा के बारे में, के बारे में जागरुकता पैदा करेंगे।

कार्यक्रम के दौरान बोलते हुए संसाधन व्यक्ति श्री छिरिंग ग्यात्सो लेप्चा, जोंगू के एक जैविक और प्रगतिशील किसान, ने बाजरा उत्पादक के रूप में अपने अनुभव साझा किए और बताया कि कैसे वर्षों के दौरान उन्होंने सिक्किम की विभिन्न प्रकार की स्वदेशी बाजरा फसलों को सफलतापूर्वक संरक्षित किया है। उन्होंने बाजरे से बने विभिन्न स्थानीय व्यंजनों के बारे में बताया और इसके स्वास्थ्यवर्धक लाभों को रेखांकित किया। बाजरा के अनूठे लाभों पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने बताया कि स्थानीय किसान बाजरा की खेती की ओर जा रहे हैं और यह भी कहा कि हितधारक किसानों को बाजरा और इसकी उपज बेचने में सक्षम बनाने के लिए एक आदर्श बाजार प्रणाली बनाई जा रही है। उन्होंने उपस्थित लोगों से (शेष पृष्ठ ०३ पर)

नेपाल के लुंबिनी प्रेस क्लब के प्रतिनिधिमंडल ने की राज्यपाल से मुलाकात

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 07 जून । पड़ोसी देश नेपाल के लुंबिनी प्रेस क्लब के प्रतिनिधिमंडल ने आज राजभवन में राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य से शिष्टाचार मुलाकात की।

नेपाली पत्रकारों के दल का नेतृत्व लुंबिनी प्रेस क्लब की नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्रीमती सम्झना शर्मा ने किया। इस अवसर पर प्रेस क्लब ऑफ सिक्किम के अध्यक्ष शेखर खवास और अन्य कार्यकारी सदस्य भी उपस्थित थे।

राज्यपाल से बातचीत के दौरान नेपाली पत्रकारों ने चर्चा की कि

कैसे भगवान गौतम बुद्ध की जन्मस्थली और बौद्ध राज्य सिक्किम के साथ-साथ क्षेत्रफल के आधार पर सबसे बड़े बौद्ध पर्यटन स्थल वाले राज्य को बौद्ध पर्यटन के माध्यम से और विकसित किया जा सकता है। राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने इस मामले में गहरी दिलचस्पी दिखाई और दोनों देशों की सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक समानता पर प्रकाश डाला। इसके अलावा लुम्बिनी और सिक्किम के पत्रकारों ने पर्यटन और पत्रकारिता के साथ-साथ अन्य मुद्दों पर काम करने के फैसले की सराहना की और सहयोग कर दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने का निर्णय लिया। राज्पयाल ने राजभवन की तरफ से आवश्यक समर्थन का आश्वासन दिया।

राज्यपाल श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने वादा किया है कि आगामी बैठक में वे नेपाल के पत्रकारों द्वारा बौद्ध पर्यटन के संबंध में दिए गए विभिन्न सुझावों को राज्य के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) को भी प्रस्तुत करेंगे।

'मुझे फक्र है मेरा पति आज भी उसी जिद और तेवर में है', सिसोदिया से मिलने के बाद बोली पत्नी सीमा

नई दिल्ली, 07 जून (एजेन्सी)। दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया शराब घोटाला मामले में तिहाड़ जेल में बंद हैं। इसी बीच बुधवार को करीब 103 दिन बाद मनीष सिसोदिया पुलिस कस्टडी में अपनी बीमार पत्नी सीमा से मिले। पति से मुलाकात के बाद सीमा ने एक पत्र शेयर किया है। उन्होंने कहा कि आज 103 दिन बाद मनीष से मिलने का मौका मिला। ना जाने और कितने दिन मुझे, मेरे पति और परिवार को ऐसी साजिशे झेलनी पड़ेंगी। सही कहते थे सब, राजनीति गंदी है पर चाहे ये जो भी कर ले, ये अरविंद जी व मनीष के शिक्षा के सपने को सलाखों के पीछे कैद नहीं कर पाएँगे। शिक्षा की राजनीति जरूर जीतेगी।

सीमा सिसोदिया ने पत्र में कहा है कि सात घंटे के लिए। वह भी इस तरह पुलिस बेडरूम के दरवाजे पर बैठी है और आपको लगातार देख रही है और आपकी हर बात सुन रही है। शायद इसलिए कहते हैं कि राजनीति गंदी है। पत्र में कहा गया कि जब ये लोग पार्टी बना रहे थे तो उस वक्त बहुत से शुभचिंतकों से सुनने को मिला था कि पत्रकारिता और आंदोलन तक तो ठीक है पर राजनीति के चक्कर में मत पड़ो। यहां पहले से बैठे लोग काम करने नहीं देंगे और परिवार को परेशान करेंगे। लेकिन यह मनीष की जिद थी।

उन्होंने अरविंद और अन्य लोगों के साथ मिलकर पार्टी बनाई और काम करके दिखाया। इन लोगो की राजनीति ने बड़े-बड़े लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी की बात करने पर मजबूर किया। उन्होंने पत्र में कहा कि पिछले तीन महीने में दुनिया की शिक्षा का इतिहास पढ़ डाला है। किस देश के किस नेता ने शिक्षा पर जिद करके काम किया और फिर वो देश आज कहां से कहां पहुंच गए हैं। जापान, चीन, सिंगापुर, इजरायल और अमेरिका. भारत की शिक्षा में क्या अच्छा हुआ और क्या कमी रह गई। आज की हमारी मुलाकात में मेरी तबियत के साथ-साथ ये भी बातें हुईं।

सीमा सिसोदिया ने पत्र में कहा कि मुझे फक्र है कि मेरा पति आज भी अपनी उसी जिद और तेवर में है। अरविंद और मनीष के खिलाफ साजिशें कर ये लोग खुश होंगे कि अरविंद के सिपाही को जेल में डाल दिया है। पर मैं देख रही हूं कि तिहाड़ जेल की एक कोठरी में 2047 के शिक्षित और समृद्ध भारत का सपना मजबूती से बुना जा रहा है। झूठ और साजिशों के सामने ईमानदारी और शिक्षा की राजनीति का सपना जरूर जीतेगा। प्राउड ऑफ यू मनीष, लव यू।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल बुधवार को जेल में बंद मनीस सिसोदिया को याद कर भावुक हो गए। उन्होंने मैं आज मनीष सिसोदिया की कमी महसूस कर रहा हूं। मनीष सिसोदिया ने सभी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से इसकी शुरुआत की थी। उन पर झूठा आरोप लगाया गया और अन्यायपूर्ण तरीके से उसे जेल में डाल दिया। सिसोदिया को झूठे आरोपों पर जेल में डाल दिया गया है लेकिन उन्हें बहुत जल्द जमानत मिल जाएगी। केजरीवाल ने कहा, मुझे पूरा भरोसा है कि मनीष सिसोदिया बहुत जल्द जेल से बाहर आ जाएंगे। विजय सत्य की ही होती है। उन्हें इसलिए जेल हुई है क्योंकि वह अच्छे स्कूल बनवा रहे हैं और आम आदमी पार्टी लोकप्रिय हो रही है।

जेपी नड्डा ने नोएडा में की 'टिफिन बैठक', नए-पुराने कार्यकर्ताओं के साथ की बात

राजेश अलख

नई दिल्ली, 07 जून । भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा बुधवार को अपना टिफिन लेकर लंच करने के लिए उत्तर प्रदेश के नोएडा में पहुंचे, जहां उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों के साथ-साथ पार्टी के पुराने एवं नए कार्यकर्ताओं के साथ 'टिफिन बैठक' की यानी सबके साथ मिलकर अपना-अपना टिफिन शेयर करते हुए भोजन किया और साथ ही 'टिफिन पर चर्चा' भी की।

उत्तर प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, स्थानीय सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री महेश शर्मा और स्थानीय विधायक पंकज सिंह सहित पार्टी के अनेक कार्यकर्ता इस बैठक में शामिल हुए। टिफिन बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने कहा कि पार्टी 2024 में होने वाले लोक सभा चुनाव और उससे पहले आने वाले सभी चुनावों के लिए तैयार है।

उन्होंने कहा कि पार्टी समय-समय पर अपने कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करती रहती है लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सुझाव के बाद पार्टी ने टिफिन बैठकें करने का फैसला किया और इसी कार्यक्रम के अंतर्गत आज उन्होंने नोएडा आकर पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ टिफिन शेयर कर भोजन किया और चर्चा की।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि इस बैठक में पार्टी के पुराने कार्यकर्ताओं को भी बुलाया गया था। इसमें मोदी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने के अभियान की समीक्षा की गई, भविष्य को लेकर निर्देश और सुझाव दिए गए एवं इसके साथ ही भविष्य की रणनीति को लेकर अनौपचारिक चर्चा भी की गई।

दरअसल, टिफिन पर चर्चा अपने आप में भाजपा का अनोखा कार्यक्रम है जिसके जरिए पार्टी नेता नए एवं पुराने कार्यकतार्ओं के साथ सामूहिक भोजन पर चुनावी रणनीति को लेकर चर्चा करते हैं। इसे खासतौर से पुराने कार्यकर्ताओं की नाराजगी को दूर करने के प्रयास के रूप में भी देखा जाता है।

इस तरह की टिफिन बैठक करने का सुझाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिया था। आने वाले दिनों में भाजपा अध्यक्ष नड्डा समेत पार्टी के कई अन्य नेता भी देश के अलग-अलग संसदीय क्षेत्रों में इस तरह की बैठक करते नजर आएंगे।

कोर्ट रूम में ताबड़तोड़ फायरिंग, मजिस्ट्रेट के सामने कुख्यात संजीव जीवा ढेर, एसआईटी गठित

लखनऊ, 07 जून (एजेन्सी)। एससीएसटी कोर्ट रूम में बुधवार दोपहर वकील के भेष में आए हमलावर ने ताबड़तोड़ गोलियां बरसाईं। मजिस्ट्रेट के सामने ही हमलावर ने कुख्यात अपराधी और माफिया मुख्तार का बेहद करीबी गैंगस्टर संजीव महेश्वरी उर्फ जीवा(50) को ढेर कर दिया। दो पुलिसकर्मियों, एक डेढ़ साल की बच्ची व उसकी मां को भी गोली लगी। वकीलों ने दौड़कर हमलावर को दबोच लिया और पीटकर पुलिस को सौंप दिया। घायलों को ट्रामा में भर्ती कराया गया है। वारदात से आक्रोशित वकीलों ने प्रदर्शन कर पथराव कर दिया। जिसमें एसीपी चौक का सिर फट गया। कई वाहन भी छतिग्रस्त हो गए। आलाधिकारी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे तब हालात पर काबू पा पाए। उधर, मुख्यमंत्री योगी ने घटना की जांच के लिए एसआईटी गठित की है। मोहित अग्रवाल, नीलब्जा चौधरी और प्रवीण कुमार एक सप्ताह में जांच पूरी कर रिपोर्ट देंगे।

भाजपा नेता ब्रह्मदत्त द्विवेदी हत्याकांड में आजीवन कारवास की सजा पाने वाला मुजफ्फरनगर के शाहपुर आदमपुर निवासी संजीव महेश्वरी उर्फ जीवा पिछले बीस साल से जेल में बंद था। उस पर दो दर्जन केस दर्ज हैं। वह हत्या व एससीएसटी के एक केस में बुधवार दोपहर पुलिस अभिरक्षा में पेशी पर लाया गया था। दोपहर करीब 3:50 मिनट पर उसके केस की बारी आई। जैसे ही वह उठकर चला वैसे ही कोर्ट रूम के भीतर वकील के भेष में बैठे हमलावर ने उस पर गोलियां दागनी शुरू दीं। कोर्ट रूम से लेकर पूरे परिसर में भगदड़ मच गया। संजीव वही पर लहूलुहान होकर औंधे मुंह गिर गया। हमलावर ने भागने का प्रयास किया लेकिन वहां मौजूद वकीलों ने उसको पकड़ लिया। पूछताछ में उसने बताया कि वह जौनपुर के केराकत का रहने वाला है। उसका नाम विजय यादव है। वकीलों ने उसको जमकर पीटा। तभी सूचना पर कार्यवाहक पुलिस कमिश्नर, ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर समेत आलाधिकारी, पुलिस बल व पीएसी के जवान पहुंचे। संजीवा को अस्पताल ले जाया गया। जहां उसको मृत घोषित कर दिया। संजीव पर विधायक कृष्णानंद राय की हत्या का भी आरोप था लेकिन बाद में वह कोर्ट से बरी हो गया था।

कोर्ट रूम में बीकेटी के भैसामऊ निवासी सौरभ अपनी पत्नी नीलम व पिता के साथ मौजूद थे। नीलम की गोद में उनकी डेढ़ साल की बेटी लाडो भी थी। गोली लाडो की पीठ व नीलम की अंगुलियों पर लगी। दोनों का इलाज जारी है। लाडो की हालत गंभीर है। वह आईसीयू में है। इसके अलावा अभिरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी कमलेश व लाल मोहम्मद भी घायल हुए हैं। दोनों के पैर में गोली लगी है। ये सभी खतरे से बाहर हैं।

वारदात के बाद वकीलों ने हंगामा शुरू कर दिया। कई घंटे तक हाईकोर्ट के गेट पर प्रदर्शन करते रहे। इस दौरान पथराव भी कर दिया। जिसमें एसीपी चौक सुनील शर्मा का सिर फट गया। कई और पुलिसकर्मियों को भी मामूली चोटें आईं। उनको बलरामपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया। उधर जब पुलिस अफसर कोर्ट के भीतर जाने का प्रयास किया तो उनसे भी धक्कामुक्की की। हालांकि किसी तरह से वह भीतर गए और फिर कोर्ट रूम तक पहुंचे। तनाव को देखते हुए कोर्ट परिसर में भारी पुलिस बल की तैनात की गई है।

आरोपी विजय यादव से पूछताछ जारी है। शुरुआती जांच में पता चला कि विजय साधारण परिवार से है। पिता किसान हैं। विजय चार भाइयों में दूसरे नंबर का है। 2016 में उस पर आजमगढ़ में लड़की भगाने के आरोप में केस दर्ज हुआ था। जौनपुर में 2020 में उस पर कोविड प्रोटोकॉल उल्लंघन का केस दर्ज किया गया था। पिछले तीन साल से वह मुंबई में रह रहा था। तीन महीने वह जौनपुर वापस लौटा था। हालांकि पिछले एक महीने से उसका संपर्क परिवार से नहीं था। उससे पूछताछ का दौर जारी है। पुलिस यही पता कर रही है कि आखिर जीवा की हत्या किसने और क्यों करवाई। पकड़ा गया आरोपी शूटर है। जल्द पुलिस इसको लेकर खुलासा कर सकती है।

आरोपी को पकड़ लिया गया है। पूछताछ की जा रही है। वह वकीलों के भेष में आया था। ये पता किया जा रहा है कि वारदात में अकेला यही आरोपी शामिल है या फिर उसके साथी भी हैं। साजिश किसने, कब और क्यों रची। इसकी जानकारी की जा रही है।

हिमाचल में स्थापित होगा ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टमेंट प्रमोशन : सीएम सुक्खू

शिमला, 07 जून (एजेन्सी)। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने बुधवार को जिला सोलन के उद्योग और पर्यटन क्षेत्रों के हितधारकों के साथ विचार-विमर्श किया। उन्होंने कहा कि निवेश को आकर्षित करने और निवेशकों को सुविधा देने के लिए सरकार ने एक समर्पित ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टमेंट प्रमोशन स्थापित करने की योजना बनाई है। यह ब्यूरो निवेशकों को एक तय समय सीमा के भीतर एक ही मंच पर ही सभी आवश्यक मंजूरी प्राप्त करने की सुविधा देगा। यह ब्यूरो जरूरी विलंब के कारण राज्य के साथ निवेशकों को होने वाले वित्तीय नुकसान से बचाएगा। बैठक के दौरान 29 परियोजनाओं की समीक्षा की गई। सुक्खू ने कहा कि सरकार हिमाचल को हरित ऊर्जा राज्य बनाने पर विशेष बल दे रही है। सरकार सतत विकास सुनिश्चित करने के लिए देश की पहली ग्रीन हाइड्रोजन नीति लाएगी।

प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के लिए छह ग्रीन कोरिडोर विकसित करने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है। प्रदेश में प्रस्तावित बल्क ड्रग पार्क और मेडिकल डिवाइस पार्क में निवेशकों को आकर्षित करने के लिए प्रोत्साहन दिए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने औद्योगिक क्षेत्रों में हो रहे बदलावों को अपनाने पर बल दिया। औद्योगीकरण को बढ़ावा देने के लिए सरकार कांगड़ा हवाई अड्डे के विस्तार, नए हेलीपोर्ट के निर्माण, सड़क और रेल कनेक्टिविटी में सुधार को प्राथमिकता दे रही है। कहा कि सरकार कांगड़ा जिले को पर्यटन राजधानी के रूप में विकसित करने की दिशा में प्रयास कर रही है।

उन्होंने निवेशकों को पर्यटन क्षेत्र में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया। उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने कहा कि लंबित निवेश परियोजनाओं के निष्पादन में तेजी लाने के प्रयास किए जा रहे हैं। उद्योग मंत्री ने उद्योग जगत से संबंधित मामलों पर विशेष ध्यान देने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

बैठक में 29 परियोजनाओं की समीक्षा की गई और मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश जारी किए। प्रधान सचिव उद्योग आरडी नजीम ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया और राज्य सरकार के उद्यमियों को दिए जा रहे प्रोत्साहन के बारे में बताया। प्रदेश पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष आरएस बाली, मुख्य संसदीय सचिव सुंदर सिंह ठाकुर एवं राम कुमार चौधरी, मुख्य सचिव प्रबोध सक्सेना, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव भरत खेड़ा, निदेशक उद्योग यूनुस, विशेष सचिव उद्योग किरण भड़ाना सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी एवं विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधि बैठक में उपस्थित थे।

हिमाचल में 8,468 करोड़ से लगेंगे 29 उद्योग, 12,584 युवाओं को मिलेगा रोजगार

शिमला, 07 जून (एजेन्सी)। हिमाचल में 8,468 करोड़ के निवेश से 29 उद्योग स्थापित होंगे। 12,584 युवाओं को रोजगार मिलेगा। विभिन्न परियोजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने बुधवार को शिमला में पहली बार राज्यस्तरीय कार्यक्रम में निवेशकों के साथ व्यक्तिगत रूप से संवाद कर नई और महत्वाकांक्षी पहल की। मुख्यमंत्री ने निवेश परियोजनाओं को समयबद्ध कार्यान्वित करने के निर्देश दिए। कहा कि इससे प्रदेश को राजस्व के साथ निवेशकों को भी लाभ मिलेगा।

सीएम ने कहा कि नए निवेश को आकर्षित करने और मौजूदा निवेशकों और भविष्य के निवेश के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने वालों को हरसंभव सहायता देने के प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने उद्यमियों से विचार-विमर्श के दौरान 15 औद्योगिक परियोजनाओं के प्रतिनिधियों से संवाद किया और उनकी समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के प्रयास किए। संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे उद्योगपतियों की शिकायतों का निवारण सुनिश्चित करें। उन्होंने निवेशकों को तय समय में अपनी परियोजनाएं लागू करने के लिए प्रोत्साहित किया।

उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने कहा कि निवेशकों के लिए उपयुक्त भूमि के चयन की प्रक्रिया में सरलीकरण करते हुए सरकार जल्द लैंड बैंक स्थापित करने की योजना बना रही है। सरकार निवेशकों की समस्याएं दूर करने के लिए प्रतिबद्ध है। लंबित निवेश परियोजनाओं के निष्पादन में तेजी लाने के प्रयास किए जा रहे हैं। प्रधान सचिव उद्योग आरडी नजीम ने सरकार की ओर से उद्यमियों को दिए जा रहे प्रोत्साहन के बारे में विस्तार से बताया।

सीएम की निवेशकों के साथ बुधवार को तीन घंटे तक वन-टू-वन बैठक चली। एसएमपीपी कंपनी के प्रतिनिधि आशीष कंसल ने मुख्यमंत्री की इस पहल की सराहना की।

कहा कि इस प्रयास से समस्याओं के समाधान में मदद मिलेगी। उन्होंने हिमाचल में एक और परियोजना शुरू करने की कंपनी की योजना का भी विवरण दिया। सन फार्मा के डॉ. एएच खान ने कहा कि कंपनी भारत के कई राज्यों में अपने उद्यमों का संचालन कर रही है। उन्होंने कहा कि उन्हें अपने लंबे व्यावसायिक कार्यकाल के दौरान ऐसा अनुभव कभी भी प्राप्त नहीं हुआ। मुख्यमंत्री के इस अनूठे प्रयास से निश्चित रूप से निवेशक हिमाचल में निवेश के लिए प्रेरित होंगे।

नगर निकायों में भर्ती में गड़बड़ी का मामला, सीबीआई ने 20 कई ठिकानों पर मारे छापे

कोलकाता, 07 जून (एजेन्सी)। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पश्चिम बंगाल में नगर निकायों में भर्ती में कथित अनियमितताओं से जुड़े मामले की अपनी जांच के सिलसिले में बुधवार को राज्य में 20 ठिकानों पर छापे मारे। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि साउथ दम, हलिसहर और बड़ा नगर सहित 14 नगरपालिकाओं के दफ्तरों के साथ-साथ प्राथमिकी में नामजद आरोपी अयान सील के तीन ठिकानों और तीन अन्य स्थानों पर तलाशी ली गई।

अधिकारी के मुताबिक, सीबीआई टीम ने सॉल्ट लेक इलाके में राज्य शहरी विकास विभाग के दफ्तर पर भी छापा मारा।

उन्होंने बताया कि इन नगर निकायों में कर्मचारियों की नियुक्ति के लिए रिश्वत लिए जाने के आरोप लगे थे, जिसकी जांच के सिलसिले में यह छापेमारी की जा रही है।

सीबीआई छापे पर प्रतिक्रिया देते हुए राज्य के शहरी विकास एवं नगर निकाय मामलों के मंत्री फिरहाद हाकिम ने आरोप लगाया कि यह कार्रवाई भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा रची गई साजिश का हिस्सा है।

उन्होंने संवाददाताओं से कहा, इस बात को मानने के कारण हैं कि यह भाजपा द्वारा बदले की कार्रवाई है, जो अपने राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल करती आई है। हम निष्पक्ष जांच के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन हमारा मानना है कि इस तरह के छापे एक साजिश का हिस्सा हैं। हम चाहते हैं कि सच सामने आए।

वहीं, भाजपा के राज्य प्रवक्ता समिक भट्टाचार्य ने दावा किया कि सीबीआई कलकत्ता उच्च न्यायालय के निर्देश पर नगर निकायों में कथित भर्ती घोटाले की जांच कर रही है, ऐसे में साजिश संबंधी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के आरोप बेबुनियाद हैं।

उन्होंने कहा, हाकिम इस बात से वाकिफ हैं कि टीएमसी कार्यकर्ताओं का एक वर्ग स्थानीय निकायों में नौकरी नहीं मिलने से असंतुष्ट है और वह अदालत के आदेश और सीबीआई की छापेमारी से खुश है।

सीबीआई ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश पर पश्चिम बंगाल की कई नगरपालिकाओं में विभिन्न पदों पर भर्ती में कथित घोटाले के मामले में प्राथमिकी दर्ज की है।

अधिकारियों ने बताया कि अभ्यर्थियों के अंकों के साथ छेड़छाड़ करने के आरोप में सील और उनकी कंपनी एबीएस इंफोजोन प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है, जो ओएमआर शीट की छपाई और मूल्यांकन में शामिल थी।

कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति अभिजीत गंगोपाध्याय ने सीबीआई को 21 अप्रैल को नगर निकायों में कथित भर्ती घोटाले की जांच करने का आदेश दिया था।

न्यायमूर्ति गंगोपाध्याय ने पश्चिम बंगाल के पुलिस महानिदेशक और मुख्य सचिव को सीबीआई और ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) द्वारा अनुरोध किए जाने पर नगरपालिका भर्ती में कथित घोटाले की जांच में केंद्रीय एजेंसियों की सहायता करने का निर्देश दिया था।

ईडी ने कहा था कि सीबीआई द्वारा कथित नगरपालिका भर्ती घोटाले की जांच के लिए भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत एक अलग प्राथमिकी की आवश्यकता होगी।

मुख्य चुनाव आयुक्त हिम्मत से कहें कि नहीं करा सकते चुनाव : उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर, 07 जून (एजेन्सी)। जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेकां के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने कहा कि चुनाव आयोग को लोगों को यह बताने की हिम्मत जुटानी चाहिए कि जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव क्यों नहीं हो रहे हैं। श्रीनगर में पार्टी मुख्यालय में उमर ने कहा, मैंने बार-बार कहा है कि हम कोई भूखे-नंगे नहीं हैं कि हम घुटनों पर उतरकर भीख भीख मांगेंगे। इलेक्शन हमारा हक है।

उन्होंने कहा कि अगर जम्मू कश्मीर के लोगों का हक छीनना चाहते हैं और इससे तसल्ली मिलती है तो करें। हमारा भी आत्मसम्मान है। हम घुटने नहीं टेकेंगे। मुख्य चुनाव आयुक्त ने अपने पिछले दौरे के दौरान स्वीकार किया था कि जम्मू-कश्मीर में एक वैक्यूम (खालीपन) है। अगर मुख्य चुनाव आयुक्त को उस वक़्त वैक्यूम नज़र आया तो वो वैक्यूम क्यों नहीं भर रहा है। हिम्मत से कहें कि हमारे ऊपर दबाव है और हम चुनाव नहीं करा सकते। उमर ने कहा कि कहीं न कहीं दाल में कुछ काला है।

वहीं, सेना कमांडर (चिनार कोर के जीओसी) के इस बयान के बारे में पूछे जाने पर कि कश्मीर में भीतरी इलाकों से सेना की वापसी का समय सही नहीं है, अब्दुल्ला ने कहा कि वह जनरल से सहमत हैं, क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में स्थिति खराब हुई है। हम भी कह रहे हैं कि हालात ठीक नहीं हैं। जनरल भी यही कह रहे हैं।

जी-20 करा कर हालातों के ऊपर पर्दा डालने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन जम्मू कश्मीर की असलियत यहां रहने वाले जानते हैं। एक जगह से दूसरी जगह पहुंचने में जहां हमें 5 मिनट लगते थे, वहां आज 40 मिनट लगते हैं। लोग रो रहे हैं, बच्चे समय पर स्कूल नहीं पहुंच पा रहे हैं, कर्मचारी दफ्तर नहीं पहुंच पाता। मरीज़ एम्बुलेंस में दम तोड़ देता है।

60 सीटों की यात्रा के बाद दिग्विजय सिंह का दावा- इस बार कांग्रेस से 120 से 150 सीट जीतेगी

इंदौर, 07 जून (एजेन्सी)। पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान की गई नर्मदा परिक्रमा यात्रा में मैंने भाजपा के लिए जितना विरोध और असंतोष देखा था उससे कहीं ज्यादा इस बार है। कांग्रेस की सरकार गिराने के कारण जनता में असंतोष चार गुना हो गया है। 60 सीटों पर यात्रा के बाद मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि मध्य प्रदेश में कांग्रेस 120 से 150 सीटें लेकर आएगी। यह बातें पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने इंदौर में पत्रकारों से चर्चा के दौरान कही।

दिग्विजय सिंह ने कहा कि बजरंग दल अफीम और गांजा बेचने वालों का समूह है। बजरंग दल के लोग आज पाकिस्तान के लिए जासूसी करने में पकड़ा रहे हैं। इसके बावजूद भाजपा के नेता उनका संरक्षण कर रहे हैं और उन पर केस तक दर्ज नहीं होने देते। भोपाल आईटी सेल के ध्रुव सक्सेना और बजरंग दल का अध्यक्ष बलराम सिंह आईएसआई के लिए जासूसी करने में पकड़ाया, लेकिन उसके ऊपर सरकार के दबाव में राजद्रोह का मुकदमा दर्ज नहीं किया गया। धर्म के नाम पर राजनीति करने वाली सरकार इन सभी अपराधियों को बचा रही है।

हम जय श्री राम का नारा नहीं लगाते, जय सियाराम का नारा लगाते हैं। क्योंकि हमारे लिए माता सीता का भी भगवान राम के जितना आदर है। हालांकि हम जय सियाराम के नारे को लेकर चुनाव में नहीं उतरेंगे क्योंकि हम धर्म को राजनीति में हथियार के रूप में इस्तेमाल नहीं करते।

दिग्विजय सिंह ने कहा कि ज्योतिरादित्य सिंधिया और अन्य सभी नेता जो कांग्रेस छोड़कर भाजपा में गए वे मेरे रहते कभी कांग्रेस में वापस नहीं आ पाएंगे। मध्यप्रदेश में हर काम का कमीशन सीधे मुख्यमंत्री तक जाता है।

मिशन मोड में हो जनसुनवाई, जनसमस्याओं का निस्तारण शीर्ष प्राथमिकता : सीएम योगी

लखनऊ, 07 जून (एजेन्सी)। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को शासन स्तर के सभी अपर मुख्य सचिवों/प्रमुख सचिवों के साथ जनशिकायतों के निस्तारण को लेकर विभागीय कार्यप्रणाली की समीक्षा की। जनसमस्याओं और जनशिकायतों का मेरिट आधारित त्वरित समाधान पर बल देते हुए मुख्यमंत्री ने लोकहित में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राज्य सरकार के सभी लोककल्याणकारी प्रयासों के मूल में आम आदमी की संतुष्टि और प्रदेश की उन्नति है। शासन-प्रशासन से जुड़े सभी अधिकारियों/कार्मिकों को इसे समझना चाहिए। आम जन की शिकायतों/समस्याओं के सहज समाधान के लिए जनसुनवाई समाधान प्रणाली (आईजीआरएस और सीएम हेल्पलाइन) अत्यंत उपयोगी माध्यम है। शासन में तैनात वरिष्ठ अधिकारी हों या फील्ड में नियुक्त अधिकारी, हर किसी की यह जिम्मेदारी है कि आईजीआरएस पर प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता के साथ त्वरित निस्तारण किया जाए। इसमें किसी प्रकार की शिथिलता/लापरवाही/देरी स्वीकार नहीं की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अपराध और अपराधियों के खिलाफ हमने ने जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है। आईजीआरएस में मिलने वाले आवेदन हों या सीएम हेल्पलाइन अथवा थाना/तहसील/विकास खंड में पहुंचने वाले शिकायतकर्ता, सबकी सुनवाई की जाए। पीड़ित/परेशान व्यक्ति की मनोदशा को समझें, उसकी भावना का सम्मान करें और पूरी संवेदनशीलता के साथ समाधान किया जाए। शिकायतकर्ता की संतुष्टि और उसका फीडबैक ही अधिकारियों के प्रदर्शन का मानक होगा। शासन से लेकर विकास खंड तक के अधिकारी मिशन मोड में जनसुनवाई को शीर्ष प्राथमिकता देते हुए आमजन की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कराएं।

उन्होंने कहा कि आईजीआरएस और सीएम हेल्पलाइन पर आने वाले आवेदनों को लेकर थाना, तहसील और जिला स्तर हो रही कार्यवाहियों पर शासन से लगातार नजर रखी जा रही है। थाना दिवस और तहसील दिवस को और प्रभावी बनाया जाना चाहिए। यह सुनिश्चित करें कि शिकायतों का निस्तारण अगले थाना/तहसील दिवस से पूर्व जरूर हो जाए। जनसुनवाई की इन तिथियों और उसमें उपस्थित रहने वाले अधिकारी के नाम का व्यापक प्रचार-प्रसार करें। यहां आने वाले मामले कतई लंबित न रहें।

कहा कि आईजीआरएस/सीएम हेल्प लाइन को लेकर संवेदनशील विभागों ने अच्छा कार्य किया है। ऐसे विभागों, जिलाधिकारियों, पुलिस कप्तानों, थानों और तहसीलों से औरों को प्रेरणा लेनी चाहिए, संतोषजनक प्रदर्शन न करने वाले जिलों, थानों और तहसीलों को अपनी कार्यप्रणाली में सुधार करने की आवश्यकता है। जनता से सीधा जुड़ाव रखने वाले विभाग के फील्ड में तैनात अधिकारी हर दिन न्यूनतम एक घंटा जनसुनवाई के लिए जरूर नियत करें।

उन्होंने कहा कि सभी अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव फील्ड में जाएं। अगले दो माह के भीतर सभी मंडलों का भ्रमण करें। फील्ड विजिट के दौरान अपने विभाग की लोककल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा करें। लंबित शिकायतों का तत्काल मेरिट के आधार पर निस्तारण कराएं। जहां गड़बड़ी हो, वहां जवाबदेही तय करें। विजिट के बाद अपनी रिपोर्ट मुख्यमंत्री कार्यालय को उपलब्ध कराएं।

कहा कि विभिन्न कार्यों में तैनात आउटसोर्सिंग कार्मिकों ने उत्कृष्ट कार्य किया है। यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी कार्मिकों का मानदेय समय पर मिले, पूरा मिले। किसी भी दशा में एक भी कर्मचारी का आर्थिक अथवा मानसिक शोषण नहीं होना चाहिए।

योगी ने कहा कि वित्तीय बजट में विभागों को आवंटित धनराशि का सही और समयबद्ध उपयोग सुनिश्चित करें। हर अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव अपने विभागीय योजनाओं की समीक्षा करते हुए समय से धनराशि आवंटन कराएं। विभाग के लिए प्राविधानित बजट का अधिकाधिक उपयोग किया जाना चाहिए। भारत सरकार से मिलने वाले अनुदान/अंशदान के संबंध में अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव स्वयं भी भारत सरकार के मंत्रालयों से संवाद/संपर्क करें। वर्तमान वित्तीय बजट की समाप्ति से पूर्व सभी विभागों द्वारा वर्तमान बजट में प्राविधानित धनराशि का यथोचित खर्च किया जाना सुनिश्चित किया जाए। विभाग स्तर भी पर खर्च की समीक्षा भी की जाए।

कहा कि सचिवालय में फाइलों के लिए ई-ऑफिस की व्यवस्था है। इसे समस्त विभागाध्यक्ष/निदेशक कार्यालयों में भी लागू किया जाए। फिजिकल फाइलों का उपयोग अपरिहार्य स्थिति में ही किया जाना चाहिए। ई-ऑफिस को और प्रभावी बनाने की आवश्यकता है।

कहा कि राज्य सरकार ने अपनी नवीन स्थानांतरण नीति घोषित कर दी है। इस नीति का कड़ाई से अनुपालन किया जाए। सभी अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव अपने विभागीय मंत्रीगणों से संवाद करते हुए नीति के अनुरूप स्थानान्तरण करें। यह ध्यान रखें कि आकांक्षात्मक जनपदों में मैनपॉवर कम न हो।

जल शक्ति अभियान पर जिला समन्वय बैठक सम्पन्न

अनुगामिनी नि.सं.

पाकिम, 07 जून । जल शक्ति अभियान पर आज जिला समन्वय बैठक 'कैच द रेन, व्हेयर इट फॉल्स, व्हेन इट फॉल्स, हार्वेस्ट रेनफॉल' थीम के तहत रूर्बन कम्युनिटी कॉम्प्लेक्स, पाकिम में केंद्रीय नोडल अधिकारी में संपन्न हुई। इस अभियान का प्राथमिक उद्देश्य जल संरक्षण, अपव्यय को कम करना और राज्यों के भीतर और राज्यों में जल संसाधनों का अधिक समान वितरण सुनिश्चित करना है।

बैठक शुरू होने से पहले, श्री पी चतुर्वेदी , उप सचिव, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, और श्री वाई सत्य कुमार, वैज्ञानिक-बी ने पाकिम जिले के आरडीडी परिसर में जल शक्ति केंद्र का उद्घाटन। यह जिले में जल संसाधनों के प्रभावी प्रबंधन और संरक्षण को सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जिला कलेक्टर पाकिम श्री ताशी छोफेल ने व्यापक रूप से पर्यावरण संबंधी चिंताओं को दूर करने के लिए राज्य की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने राज्य में ख़लास्टिक पर प्रतिबंध लागू करने पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य पर्यावरण की रक्षा करना और पारिस्थितिक तंत्र पर ख़लास्टिक प्रदूषण के प्रतिकूल प्रभावों को रोकना है। उन्होंने सरकार की योजना ' मेरो रुख मेरो संतति' पर भी प्रकाश डाला, जो प्राकृतिक जल स्रोतों के संरक्षण और भविष्य की पीढ़ियों के लिए स्थायी प्रथाओं को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

प्रस्तुति और संवाद सत्र के दौरान चल रहे पकिम जिले के अंतर्गत चल रहे जल जीवन मिशन के बारे में मंडल अभियंता श्री कैलाश शर्मा ने जानकारी दी, जिसमें जिले के हर घर में सुरक्षित और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराने के लिए किए गए प्रयासों को प्रदर्शित किया गया। वहीं एडीपीसी मनरेगा श्री अवतार ने अमृत के तहत जिले द्वारा की गई उपलब्धियों और पहलों पर प्रकाश डाला। मंडल अभियंता श्री अर्जुन गजमेर ने पीएमकेएसवाई के तहत योजनाओं के कार्यान्वयन और प्रभावशीलता में महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान की, विशेष रूप से हर खेत को पानी पहल जैसी योजनाओं के बारे में उन्होंने अवगत कराया।

कृषि और बागवानी विभाग के संयुक्त निदेशक छिरिंग चोपेल प्रधान ने प्रति बूंद अधिक फसल अन्य हस्तक्षेप और सूक्ष्म सिंचाई पर एक व्यापक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। इसके अलावा, श्री बीके धमला, डीएफओ सामाजिक वानिकी, वन विभाग ने पीएमकेएसवाई के तहत वाटरशेड विकास घटक पर अपना काम प्रस्तुत किया, जिसमें वाटरशेड प्रबंधन तकनीकों के माध्यम से जल संसाधनों के संरक्षण और प्रबंधन के महत्व पर जोर दिया गया । ये प्रयास क्षेत्र के जल पारिस्थितिक तंत्र के समग्र संरक्षण और स्थिरता में योगदान करते हैं। साथ ही, पाकिम जिले में चारा बागान की प्रगति पर एक व्यापक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

अपने संबोधन के दौरान, पी चतुर्वेदी ने इस महत्वपूर्ण जल संरक्षण पहल में समुदाय के सदस्यों की सक्रिय भागीदारी को देखकर अत्यंत प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने विभिन्न नवीन पहलों के माध्यम से जल संरक्षण के महत्व के बारे में जागरुकता बढ़ाने के लिए जिले के अथक प्रयासों की सराहना की। बैठक के बाद, श्री वाई सत्य कुमार, वैज्ञानिक-बी ने विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति का आकलन करने के लिए जिले के कई गांवों का दौरा किया।

ईट राइट मिलेट ....

सिक्किम में उत्पादित प्रामाणिक बाजरा खरीदने का आग्रह किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि ने विभिन्न प्रकार के बाजरा, उनके पोषण मूल्य, बाजरे से बने मूल्य वर्धित उत्पादों और उन्हें दैनिक भोजन में कैसे शामिल किया जा सकता है विषय पर लगाई गई प्रदर्शनी का भी दौरा किया। कार्यक्रम में बाजरा आधारित प्रतियोगिताओं की विभिन्न श्रेणियों में भाग लेने के लिए छात्रों को प्रमाणपत्र का वितरण भी किया गया।

देश में बीजेपी विरोधी लहर, देश की जनता चाहती है बदलाव : शरद पवार

औरंगाबाद, 07 जून (एजेन्सी)। कर्नाटक चुनाव में भाजपा को मिली शिकस्त के बाद विपक्ष की नजर 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव पर हैं। इसको लेकर महागठबंधन से लेकर तरह-तरह की रणनीति अपनाई जा रही हैं। इस बीच राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार ने बुधवार को भाजपा पर हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि वर्तमान में देश में भाजपा विरोधी लहर है और जनता कर्नाटक विधानसभा चुनावों के परिणामों को देखते हुए बदलाव चाहती है।

शरद पवार ने मीडिया से कहा कि अगर लोगों की यही मानसिकता रही तो देश आगामी चुनावों में बदलाव देखेगा। उन्होंने यह भी दावा किया कि महाराष्ट्र में छोटी-छोटी घटनाओं को धार्मिक रंग दिया जा रहा है, जो अच्छा संकेत नहीं है। भारतीय जनता पार्टी को कर्नाटक में हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में हार का सामना करना पड़ा, यहां कांग्रेस पांच साल के अंतराल के बाद सत्ता में वापस आई।

देश में लोकसभा चुनाव 2024 में होने हैं और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव भी अगले साल के अंत में होने वाले हैं। शरद पवार ने कहा कि परिदृश्य को देखते हुए, मुझे लगता है कि भाजपा विरोधी लहर चल रही है। कर्नाटक चुनाव के नतीजों को देखते हुए, लोग बदलाव के मूड में हैं। अगर लोगों की यह मानसिकता बनी रही, तो देश में बदलाव आएगा। यह बताने के लिए किसी ज्योतिषी की जरूरत नहीं है।

जब शरद पवार से हाल के दिनों में महाराष्ट्र में कानून व्यवस्था की स्थिति और हिंसा की कुछ घटनाओं के बारे में सवाल पूछा तो उन्होंने कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था करने के लिए सरकार जिम्मेदार हैं। अगर सत्ताधारी दल और उनके लोग सड़कों पर उतरते हैं और दो धर्मों के बीच दरार पैदा करते हैं, तो यह अच्छा संकेत नहीं है।

उन्होंने दावा किया कि अगर औरंगाबाद में किसी व्यक्ति का पोस्टर दिखाया जाता है, तो पुणे में हिंसा की क्या जरूरत है। लेकिन ऐसा होने दिया जा रहा है। शरद पवार ने आरोप लगाया कि हाल ही में हमने अहमदनगर के बारे में सुना। आज, मैंने कोल्हापुर से एक खबर देखी। लोग सड़कों पर निकल आए, और फोन पर संदेश भेजने की एक छोटी सी घटना को धार्मिक रंग देना अच्छा संकेत नहीं है। सत्ताधारी दल ऐसी चीजों को प्रोत्साहित कर रहे हैं।

राकांपा प्रमुख पवार ने राज्य में कृषि संबंधी मुद्दों पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि कपास उत्पादक किसानों की स्थिति गंभीर है। कपास की खरीद करनी चाहिए लेकिन ऐसा नहीं किया गया। अगर किसान सड़क पर उतरने का फैसला करते हैं तो एनसीपी उनके पीछे होगी।

शरद पवार ने कहा कि सरकार का नजरिया उतना सकारात्मक नहीं है जितना होना चाहिए। कोय निर्यात के लिए तय नहीं है और दूसरी तरफ चीनी के दाम गिर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा अर्थव्यवस्था कृषि उत्पादकों के लिए फायदेमंद नहीं है।

असम में 11 विपक्षी पार्टियां मिलकर बीजेपी का करेंगी मुकाबला

गुवाहाटी, 07 जून (एजेन्सी)। असम में 11 विपक्षी दलों ने 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए एक साझा रणनीति तैयार करने के लिए एक बैठक की। राजनीतिक दलों की यह बैठक मंगलवार रात तेजपुर में हुई।

हालांकि, बदरुद्दीन अजमल की पार्टी, ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) को उस गठबंधन से बाहर रखा गया। असम जातीय परिषद के प्रमुख लुरिनज्योति गोगोई ने कहा, हमारी बैठक लाभदायक रही। राज्य में 2021 के विधानसभा चुनाव से पहले सभी विपक्षी दलों को एक साथ लाने की कोशिश की गई थी, लेकिन कुछ कारणों से यह संभव नहीं हो सका था। इस बार हमने जल्दी तैयारी शुरू कर दी है और उम्मीद है कि 2024 में बीजेपी के खिलाफ संयुक्त विपक्ष के उम्मीदवार उतारे जाएंगे।

एआईयूडीएफ को विपक्ष की बैठक से बाहर रखने पर गोगोई ने आरोप लगाया कि बदरुद्दीन अजमल भाजपा के एजेंट के तौर पर काम करते रहे हैं। गोगोई के मुताबिक, एआईयूडीएफ असम में सांप्रदायिक राजनीति कर रही है, जो असल में भाजपा की मदद कर रही है।

शिवसागर के विधायक अखिल गोगोई ने कहा, देश के संविधान को बचाने के लिए, 2024 में भाजपा की हार जरूरी है। 11 विपक्षी दलों ने बैठक में हिस्सा लिया। हम आम आदमी पार्टी (आप) के साथ आने के लिए भी बात करेंगे। लेकिन चूंकि एआईयूडीएफ एक सांप्रदायिक पार्टी है, इसलिए हम उन्हें आमंत्रित नहीं करेंगे।

गोगोई ने आगे कहा कि हालांकि अगले साल के लोकसभा चुनाव प्राथमिक लक्ष्य हैं, लेकिन असम में 2026 के विधानसभा चुनाव तक गठबंधन जारी रहेगा। असम कांग्रेस के अध्यक्ष भूपेन बोरा ने कहा कि एकजुट विपक्ष नहीं चाहता कि एआईयूडीएफ उनके पाले में आए।

आगे कहा, हमने अपने फैसले से पार्टी आलाकमान को अवगत करा दिया है। बदरुद्दीन अजमल को विपक्ष का मनोबल खराब नहीं करने दिया जाएगा।

इस बीच, सीटों के बंटवारे पर विपक्षी नेताओं ने कहा कि किसी उचित फॉर्मूले पर पहुंचने के लिए चर्चा चल रही है, लेकिन मुख्य फोकस चुनाव जीतने पर रहेगा।

सिक्किम विश्वविद्यालय

SU/REG/Estt/F-2/08/2018/Vol II/290 दिनांक: 07.06.2023

नियुक्ति सूचना

सिक्किम विश्वविद्यालय, संसद के कानून द्वारा 2007 में स्थापित एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय, विभिन्न शिक्षण स्थानों के लिए अनुभवी एवं आवश्यक योग्यता रखने वाले भारतीय नागरिकों आवेदन आमंत्रित करता है।विस्तृत विज्ञापन विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर दिया गया है।

इच्छुक उम्मीदवार आनलाईन आवेदन फार्म विश्वविद्यालय की वेबसाइट **www.cus.ac.in** से अथवा **27.06.2023** पहले जमा कर सकते है।

हस्त./-
पंजीयक

cbc 21318/12/0003/2324

आयकर विभाग
केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

उच्च मूल्य के संवीक्षा निर्धारण से संबंधित 'करदाताओं की शिकायतों के निवारण हेतु स्थानीय समितियों' के गठन और कामकाज के लिए परिशोधित अनुदेश

उच्च मूल्य संवीक्षा निर्धारण के कारण उत्पन्न, करदाताओं की शिकायतों के निवारण हेतु केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने फा.स. 225/101/2021-ITA-II दिनांक 23, अप्रैल 2022 के माध्यम से स्थानीय समितियों के गठन और इनके कामकाज के लिए परिशोधित अनुदेश जारी किये हैं। इनकी मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं:-

- प्रत्येक प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त क्षेत्र में प्रधान आयकर आयुक्त/ आयकर आयुक्त स्तर के 3 अधिकारियों की स्थानीय समितियों का गठन किया गया है, जिसमें प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त (छूट) और प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त (अंतराष्ट्रीय कराधान) भी शामिल हैं।
- पहचान विहीन निर्धारण प्रणाली के अंतर्गत पूर्ण किए गए निर्धारण से उत्पन्न शिकायतें, यदि हो तो, समर्पित ई मेल आई.डी samadhan.faceless.assessment@incometax.gov.in पर भेजी जा सकती हैं। गैर पहचान विहीन निर्धारण प्रणाली के तहत पूर्ण किए गए निर्धारण से उत्पन्न शिकायतों को संबंधित प्रधान आयकर आयुक्त कार्यालय में ई-मेल या भौतिक रूप से भेजा जा सकता है।
- इसके तहत प्राप्त शिकायत, संबंधित प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त की स्थानीय समिति को अग्रेषित की जायेगी, जो इस शिकायत की पावती देगी।
- उचित जाँच के उपरांत स्थानीय समिति जिस माह में शिकायत प्राप्त हुई है, उस माह की समाप्ति से अगले दो माह के भीतर कारण सहित संबंधित प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त को एक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी ओर यह स्पष्ट करेगी कि यह मामला उच्च मूल्य निर्धारण का है या नहीं।
- ऐसे मामलों में जहाँ स्थानीय समिति, मामले को उच्च मूल्य का पाती है या जहाँ निर्धारण अधिकारी/ ईकाई द्वारा, नैसर्गिक न्याय के सिद्धांतों का अनुपालन नहीं किया गया है या लापरवाही की गई है या बुद्धि का प्रयोग नहीं किया गया है, वहां संबंधित अधिकारी के विरुद्ध प्रशासनिक कार्यवाही प्रारंभ करने का भी प्रावधान हैं।

संपूर्ण परिशोधित अनुदेश, (फा.सं.- 225/101/2021-ITA-II दिनांक 23, अप्रैल, 2022), लिंक: https://incometaxindia.gov.in/Lists/Latest%20News/Attachments/518/Instruction-225-101-2021.pdf पर उपलब्ध है।

@Income Tax India @incometaxindiaofficial
@IncomeTaxIndia @incometaxindia.official
https://www.incometaxindia.gov.in/
https://www.incometax.gov.in/

cbc 15401/11/0001/2324

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR INDUS WEDNESDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:10 DrawDate on:07/06/23 MRP ₹6/-
1st Prize ₹1 Crore/- 59L 34321
Cons. Prize ₹1000/- 34321 (Remaining All Serial & Series)
2nd Prize ₹9000/-
00624 03590 09958 30488 32100 37830 42351 48232 88859 98521
3rd Prize ₹450/-
0425 0476 1702 1870 3216 4323 5619 8207 8363 9724
4th Prize ₹250/-
0455 1422 1938 2801 4283 4758 6187 7731 7930 8200
5th Prize ₹120/-
0016 0027 0109 0172 0194 0506 0565 0629 0647 0971
1205 1212 1261 1334 1485 1507 1606 1813 1849 1957
2010 2379 2389 2416 2531 2568 2789 2891 2987 3158
3204 3399 3428 3780 3879 4012 4098 4106 4339 4371
4496 4589 4607 4762 4850 4858 4904 5183 5221 5345
5367 5610 5789 5859 5862 6038 6082 6107 6140 6294
6528 6566 6784 6922 6966 6968 7028 7037 7136 7292
7311 7317 7683 7878 7896 8100 8165 8306 8386 8498
8611 8753 8898 8902 9001 9014 9078 9119 9248 9257
9462 9579 9642 9692 9722 9826 9855 9891 9942 9962
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR HILL WEDNESDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:10 DrawDate on:07/06/23 MRP ₹6/-
1st Prize ₹1 Crore/- 83D 85321
Cons. Prize ₹1000/- 85321 (Remaining All Serial & Series)
2nd Prize ₹9000/-
01195 01658 15916 25654 64949 65792 70394 83056 95932 97428
3rd Prize ₹450/-
0572 0635 1768 2139 3790 3822 4260 4306 7462 9199
4th Prize ₹250/-
0241 0642 5404 6519 6657 6926 8004 8572 8907 9350
5th Prize ₹120/-
0146 0277 0455 0515 0668 1120 1312 1356 1415 1527
1558 1614 1713 1735 1820 1880 1903 1904 1968 1995
2213 2252 2258 2278 2302 2439 2677 2696 2839 2876
2943 3267 3637 3712 3897 3950 4028 4074 4149 4215
4241 4329 4494 4825 5026 5039 5106 5121 5260 5409
5531 5665 5788 5806 5838 5841 5847 6023 6052 6087
6096 6217 6226 6358 6700 6829 6981 7007 7010 7046
7103 7201 7223 7249 7303 7418 7442 7557 7670 7698
8152 8188 8238 8240 8303 8476 8575 8772 8816 8927
9096 9193 9249 9346 9349 9438 9609 9705 9792 9924
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR PELICAN WEDNESDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:10 DrawDate on:07/06/23 MRP ₹6/-
1st Prize ₹1 Crore/- 94J 02826
Cons. Prize ₹1000/- 02826 (Remaining All Serial & Series)
2nd Prize ₹9000/-
06931 09385 12733 15988 17549 20756 54315 66624 80150 82587
3rd Prize ₹450/-
2486 3045 7076 7270 7599 8038 8711 9430 9469 9927
4th Prize ₹250/-
0549 0570 0974 1328 2626 3872 4146 5087 7049 7498
5th Prize ₹120/-
0204 0366 0378 0450 0499 0606 0669 0856 0924 0947
1029 1308 1432 1573 1824 1889 1934 2357 2453 2566
2578 2634 2731 2961 3120 3176 3340 3465 3658 3668
3731 3744 3869 3904 3976 4005 4087 4152 4209 4258
4264 4317 4541 4676 5083 5128 5129 5142 5156 5190
5204 5390 5415 5467 5549 5574 5680 5688 5742 5754
5937 5957 6000 6104 6239 6313 6448 6492 6565 6603
6861 6929 7019 7187 7214 7390 7393 7476 7489 7531
7632 7729 7873 7933 7985 7992 8110 8378 8417 8421
8444 8579 8587 8753 8815 9227 9517 9562 9608 9714
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

न्यूड माने अश्लील नहीं

एक युवा मां के अपनी सेमी न्यूड बॉडी पर बच्चों को पेंट करने की इजाजत देने के मामले में आया केरल हाईकोर्ट का हालिया फैसला कई लिहाज से अहम है। यह मामला 2018 का है, जब केरल की 33 वर्षीया एक महिला का विडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। विडियो में महिला के दो नाबालिग बेटे उसके शरीर के ऊपरी हिस्से को पेंट करते दिख रहे थे। न केवल सोशल मीडिया बल्कि मीडिया के भी एक वर्ग ने इस विडियो को अश्लील और आपत्तिजनक बताया। इस मामले में पुलिस ने भी महिला के खिलाफ केस दर्ज किया। उन पर चाइल्ड सेक्स एब्यूज से जुड़े पॉक्सो एक्ट और जुवेनाइल जस्टिस एक्ट के साथ ही आईटी एक्ट की भी धाराएं लगाई गईं। अब कोर्ट ने महिला को सारे आरोपों से बरी करते हुए मुख्य तौर पर दो बातों को रेखांकित किया है। एक तो यह कि नग्नता का मतलब हमेशा अश्लीलता नहीं होता और दूसरी बात यह कि नैतिकता और वैधानिकता दो अलग बातें हैं। जो बात किसी एक, दो या कई सारे लोगों को अनैतिक लगती है, वह किसी और को नैतिक लग सकती है। यह भी याद रखना चाहिए कि जिसे कुछ लोग या लगभग हर कोई अनैतिक मान रहा हो, वह भी जरूरी नहीं कि गैरकानूनी भी हो।

हमारे समाज में, खासकर पिछले कुछ समय से नग्नता को अश्लीलता का पर्याय समझने का ट्रेंड मजबूत हुआ है। इसे लेकर संवेदनशीलता और असहिष्णुता भी बढ़ी है। नतीजा यह कि ऐसे मामलों पर समाज की प्रतिक्रिया कुछ ज्यादा ही आक्रामक नजर आती है। इस मामले में भी न केवल आम लोगों की तीखी प्रतिक्रिया सामने आई बल्कि पुलिस ने भी बेहद संगीन धाराएं लगा दीं। इससे महिला अधिकार कार्यकर्ता इस युवा मां के इस रुख की पुष्टि ही हुई कि समाज की पितृसत्तात्मक सोच महिलाओं के उसके अपने शरीर पर अधिकार को भी मान्यता नहीं देती और इसलिए इस अधिकार को रीक्लेम करने की जरूरत है। ध्यान रहे, यह महिला सबरीमला मंदिर में प्रवेश को लेकर चले आंदोलन का भी हिस्सा रही हैं। ऐसे में हाईकोर्ट का अपने फैसले में यह याद दिलाना महत्वपूर्ण है कि भारत में तमाम पुराने मंदिरों में देवी-देवताओं की नग्न मूर्तियां रखी हैं, जहां इन्हें देखकर सेक्शुअल भाव नहीं आते। एक मां का अपने शरीर को कैनवास के रूप में इस्तेमाल करने की इजाजत देना एक कलात्मक अभिव्यक्ति से जुड़ा मसला है, जिसे अश्लील मानने का कोई कारण नहीं है। यह भी कि जिस समाज में पुरुष अपने सिक्स पैक ऐब्स का खुलेआम प्रदर्शन करते हों और उस पर कहीं से कोई आपत्ति न आती हो, उसी समाज में किसी महिला के शरीर के ऊपरी हिस्से को उसके अपने नाबालिग बच्चों का पेंट करना अश्लील मानकर उसके खिलाफ पॉक्सो जैसी धाराएं लगा दी जाएं तो यह समाज की दृष्टि में निहित गहरे भेदभाव का सबूत है, जिस पर अभी बहुत कुछ करने की जरूरत है।

मणिपुर आज सबसे बड़ी चुनौती बन गया है

शेखर गुप्ता

मणिपुर में जो संकट चल रहा है उसमें सबसे महत्वपूर्ण नई बात यह हुई कि गृहमंत्री अमित शाह हालात को काबू करने वहां पहुंचे। यह नई दिल्ली से दूर स्थित राज्य का फटाफट किया गया दौरा नहीं था। वे वहां पहुंचे, प्रेस से बात की, राज्य सरकार और सरकारी अधिकारियों के साथ दो बैठकें कीं, कुछ प्रतिनिधिमंडलों से मिले और वापस रात बिताने घर लौटे। चार दिनों तक वे वहां टिके रहे। गृहमंत्री के रूप में किसी उपद्रवग्रस्त राज्य का उनका यह सबसे लंबा दौरा तो था ही, शायद दूसरे किसी गृहमंत्री ने भी इस तरह किसी राज्य की राजधानी में इतना लंबा समय नहीं बिताया होगा।

यह बताता है कि नजर-से-दूर-ख्यालों-से-बाहर माने गए इस क्षेत्र में उभरे संकट को सरकार सबसे ज्यादा प्राथमिकता दे रही है। इसलिए यह अच्छी बात है कि गृहमंत्री ने मणिपुर को इतना वक्त और राजनीतिक महत्व दिया। इतने लंबे समय ने उन्हें उस पेचीदा राज्य की हकीकतों को चुनावी राजनीति के चश्मे से अलग रखकर देखने का मौका दिया होगा। 1970 के दशक में उस क्षेत्र के पुनर्गठन और नए राज्यों की स्थापना के बाद के इन पांच दशकों में एक चीज निरंतर देखी गई है कि केंद्र में जो भी सरकार रही, वह वहां अक्सर अपनी या अपने वफादारों की सरकार बनाने के लिए ताकतवर स्थानीय कुलीन तबके को अपने पाले में करती रही है या उसे अपने साथ जोड़ती रही या उनमें फूट डालती रही है। यह कांग्रेस ने अपने समय में किया, 1977 के बाद जनता पार्टी ने भी अपने छोटे कार्यकाल में ऐसा ही कुछ किया।

इसलिए भाजपा ने भी वहां कोई नया काम नहीं किया, फर्क सिर्फ पैमाने का रहा। अगर आपकी पार्टी या उसका राष्ट्रीय पैमाने पर कोई बहुत छोटा सहयोगी उत्तर-पूर्व में राज करे, तो यह जोश ही पैदा करता है। इंदिरा या राजीव गांधी के जमाने में, उदाहरण के लिए त्रिपुरा में, यह दुर्लभ रहा क्योंकि वाम दल इंदिरा की कांग्रेस को परास्त करता रहा। लेकिन आज उस क्षेत्र का राजनीतिक नक्शा नाटकीय रूप से बदल गया है। भाजपा वहां जिस तरह से छा गई है, उसका इतिहास में कोई उदाहरण नहीं मिलता। लेकिन इसके साथ समस्याएं भी जुड़ी हैं। शाह ने अपने इम्फाल दौरे में अगर स्थानीय अखबारों को देखा होगा तो यह जरूर महसूस किया होगा।

उनके वहां से विदा होने के बाद 2 जून की सुबह वहां के प्रमुख अंग्रेजी अखबार द संगाई एक्सप्रेस ने संदेश दे दिया। उसके पहले पन्ने पर पूरे पेज का एक विज्ञापन छपा, जो अब पूरे देश में एक चलन हो गया है। विज्ञापन में शाह के दौरे को अमित शाह जी द्वारा शांति की पहल बताते हुए उसकी प्रशंसा की गई थी। इसमें सबसे ऊपर मृतकों के परिवारों के लिए प्रधानमंत्री का शोक संदेश छपा था। इसके साथ, 29 मई से 1 जून तक शाह के दौरे के दौरान स्थिति सामान्य बनाने के कदमों को गिनाया गया था। पहले पन्ने से आगे बढ़ें तो संपादकीय में इसके बिलकुल उलट बात की गई थी। मैं इस संपादकीय के कुछ वाक्य यहां उद्धृत करूंगा, जो यह बताता है कि पहले से ज्यादा ताकतवर हो गए हमारे मीडिया में आज साहस की कितनी कमी आ गई है।

संपादकीय इस वाक्य से शुरू होता है- करीब एक महीना बीत चुका है और ऐसा कोई संकेत नहीं मिलता कि मणिपुर में हालात सुधार की ओर बढ़ रहे हैं। इसके बाद याद दिलाया गया है कि इम्फाल-डीमापुर हाईवे पर बंदूकधारियों का राज कायम है, वे सभी निजी वाहनों की जांच कर रहे हैं कि कहीं उनमें कोई दुश्मन (मैतेई) तो नहीं है। संपादकीय का स्वर जातीय पूर्वाग्रह वाला नहीं है। वह निष्पक्ष है, दिल से उभरी हताशा को प्रतिध्वनित करता है। वह मैतेई लोगों को निशाना बनाए जाने और जनजातीय आबादी वाले जिलों में उनके संघर्ष की बात करता है। इसमें यह भी बताया गया है कि कुकी लोगों को किस तरह इम्फाल घाटी से हिंसक तरीके से खदेड़कर भगाया जा रहा है। इम्फाल और घाटी में स्थित जिला मुख्यालयों से कुकी लोगों को लगभग पूरी तरह खदेड़ दिया गया है और इस दुखद सच्चाई के बावजूद कोई भी पक्ष अपना रुख नरम करता नहीं दिख रहा है।

9 साल से राज कर रही भाजपा के लिए छोटा-सा राज्य मणिपुर अगर आंतरिक सुरक्षा के मामले में बड़ी चुनौती बनकर उभरा है, तो यह उसकी जटिल राजनीति और जनसंख्या के स्वरूप के कारण है। दरअसल असम समेत उत्तर-पूर्व के खासकर सभी छोटे राज्यों पर नई दिल्ली से शासन चलाना हमेशा असंभव रहा है। बल्कि इतने सालों में उन पर शिलांग (कभी बड़े राज्य रहे असम की मूल राजधानी) या अब गुवाहाटी से भी शासन करना मुश्किल साबित होता रहा है। हर एक राज्य की अपनी अलग सोच है, सियासत है, जनसंख्या का स्वरूप है और अपना तेवर है। एक पार्टी, एक नारा, एक विचार, एक नेतृत्व वाला मामला यहां नहीं चलेगा। उस तरह तो नहीं ही, जिस तरह यह एमपी, यूपी, गुजरात में चलता है।

मिज़ो और कुकी जनजातियों की पहचान साझा है। मणिपुर में भाजपा के खिलाफ भड़का गुस्सा अगर सीमा पार करके मिज़ोरम में दाखिल हो जाता है तो यह जीना दुश्वार कर देगा। इन छोटे उत्तर-पूर्वी राज्यों में आप तीन काम कभी नहीं करना चाहेंगे। एक, आप उनकी जनता को यह नहीं कहना चाहेंगे कि उनका मुख्यमंत्री एक कठपुतली है और असली बॉस तो कहीं और रहते हैं। दूसरे, आप बहुमत बनाने के लिए एक जातीय समूह को दूसरे के खिलाफ खड़ा करने की कोशिश नहीं करेंगे। और तीसरे, आप अलग-अलग जातीय, भाषाई और सांस्कृतिक पहचानों का समरूपीकरण (एक जैसा बनाने) करने या उन्हें एक राष्ट्रीय पहचान में ढालने की कोशिश नहीं करेंगे। उत्तर-पूर्व के छोटे-छोटे राज्य मुख्य भूमि के नेताओं को तवज्जो नहीं देते। इसकी कई वजहें हैं। जैसे, स्वायत्त सोच। कई सदियों से दूर-दूर रहने ने मामले को जटिल बना दिया है। कई विद्रोह यहां हुए, और कुछ तो अभी भी सुलग रहे हैं।

आम जन को भी होना होगा प्रतिबद्ध

अखिलेश आर्येंदु

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन के सहयोग से 7 जून, 2019 से हर साल 7 जून को विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के रूप में मनाने का फैसला किया।

विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार हर साल दुनिया भर में अनुमानित 42,0000 लोग दूषित भोजन खाने से मर जाते हैं। अनुमान लगाया जा सकता है कि दुनिया में बेहतर भोजन-पानी की कितनी किल्लत है।

भारत सरकार की नई खाद्य सुरक्षा योजना 1 जनवरी, 2023 से लागू की गई। नई योजना राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत 81.35 करोड़ लाभार्थियों को 2023 के दौरान मुफ्त खाद्यान्न बांटा जा रहा है। खाद्य सुरक्षा नागरिकों के अधिकार के अंतर्गत आती है। लोगों को पर्याप्त भोजन का अधिकार सार्वभौमिक मानव अधिकार है, जिसे तब महसूस किया जाता है, जब सभी लोगों को किसी प्रकार के भेदभाव के बिना पर्याप्त भोजन या इसकी खरीद के साधन हर समय भौतिक और आर्थिक रूप से उपलब्ध हों।

दरअसल, दुनिया में खाद्यान्न सुरक्षा की समस्या की जो वजहें हैं, वे सामान्य नहीं हैं। जैसे विकसित देशों में दूषित खाद्य और पानी से मरने वाले वे लोग हैं, जो बहुत गरीब हैं। विकासशील देशों में दूषित भोजन से बीमार पड़ने और मरने वाले गरीब नहीं हैं, बल्कि धनी वर्ग से भी हैं, जो बाजार से खाद्यान्न खरीद कर बगैर समझे-बूझे इनका इस्तेमाल करते हैं।

कैंसर, हृदयाघात, बीपी, शुगर और इसी तरह की गंभीर बीमारियों की चपेट में ज्यादातर मध्यवर्ग या धनी वर्ग के लोग ज्यादा हैं। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 40 प्रतिशत भोजन बेकार चला जाता है। यह मात्रा ब्रिटेन में हर साल उपयोग होने वाले भोजन के बराबर है। देश में हर साल 25.1 करोड़ टन से अधिक खाद्यान्न का उत्पादन होता है। बावजूद हर चौथा व्यक्ति भूखा या आधे पेट सोता है। कृषि मंत्रालय की फसल अनुसंधान इकाई सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ हार्वेस्ट इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (सीफैट) की रिपोर्ट के मुताबिक, देश में हर साल करीब 87 लाख टन खाद्यान्न उचित भंडारण और कोल्ड स्टोरेज की मुकम्मल व्यवस्था न होने के कारण खराब हो जाता है, जिसकी कीमत 92 हजार रुपये करोड़ आंकी गई है। गौरतलब है कि बर्बाद होने वाला खाद्यान्न उतना है, जितने से ब्रिटेन जैसे देश की खाद्य जरूरत पूरी होती है।

देश में हर साल 20 हजार करोड़ रुपये की फल-सब्जियां बर्बाद हो जाती हैं। देश में सालाना तकरीबन 16.2 करोड़ टन सब्जियों और 8.1 करोड़ टन फलों का उत्पादन होता है। सीफैट हर साल फसलों की कटाई के बाद खाद्य पदाथरे पर रिपोर्ट कृषि मंत्रालय को देता है। इसकी रिपोर्ट के मुताबिक, हर साल करीब 20-22 फीसदी तक फल-सब्जियां कोल्ड स्टोरेज और प्रसंस्करण सुविधाओं के अभाव में खराब हो जाती हैं यानी हर साल करीब 20 हजार करोड़ रुपये की फल-सब्जियां बर्बाद हो जाती हैं। इसी तरह 23 करोड़ टन दाल वितरण पणाली की खामियों की वजह से बर्बाद हो जाती है। सीफैट के अनुसार, फल-सब्जियों को बर्बाद होने से रोकना है, तो कोल्ड स्टोरेज की संख्या दुगुनी करनी होगी। हालांकि देश में 6500 से ज्यादा कोल्ड स्टोरेज हैं, जिनकी भंडारण क्षमता 3.1 करोड़ टन है। गौर करने वाली बात यह भी है कि सब्जियों में हर साल टमाटर, ख्वाज अलग-अलग कारणों से बाजार में पहुंचने के पहले ही बर्बाद हो जाते हैं।

सीफैट की रिपोर्ट कहती है कि देश भर में हर साल कोल्ड स्टोरेज के अभाव में 10 लाख टन ख्वाज बाजार में नहीं पहुंच पाती। 22 लाख टन टमाटर भी अलग-अलग कारणों से बाजार नहीं पहुंच पाते। अनुमान लगाया जा सकता है कि हर साल कितने बड़े पैमाने पर खाद्यान्न, फल-सब्जियां बर्बाद हो जाते हैं। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के जरिए जारी फूड वेस्टेज इंडेक्स रिपोर्ट के अनुसार बीते सालों में दुनिया भर में अनुमानित 93.10 करोड़ टन खाना बर्बाद हो गया, जो वैश्विक स्तर पर कुल खाने का 17 फीसदी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय घरों में हर साल करीब 6.87 करोड़ टन खाना बर्बाद हो जाता है। घरों और दूसरी जगहों पर बर्बाद होने वाला भोजन करोड़ों टन है। आंकड़े के अनुसार 93.10 करोड़ टन बर्बाद खाने में से 61 फीसदी हिस्सा घरों, 26 फीसदी खाद्य सेवाओं और 13 फीसदी खुदरा जगहों से आता है।

यह तो तब है जब शादियों और समारोहों में फिजूलखर्ची रोकने के लिए 2006 से अधिनियम लागू है। इसका सख्ती से पालन किया जाए तो भोजन की बर्बादी काफी हद तक रोकी जा सकती है। यदि प्रति व्यक्ति का आंकड़ा लगाया गए तो देश में 12.1 किलो खाने की बर्बादी हो रही है। इसमें घरों के हिसाब से प्रति घर 74 किलो पड़ता है यानी भारतीय घरों में 68,760,163 टन खाना हर साल बर्बाद होता है। भोजन बर्बाद करने वालों में दक्षिण एशियाई देशों की सूची में 82 किलो के साथ अफगानिस्तान ऊपर तो है, लेकिन भारत भी उसी के आसपास है। यह उस भारत की हाल है जहां रोजाना तकरीबन 194 मिलियन लोग आधे पेट सोने के लिए मजबूर हैं। वैश्विक भूख सूचकांक के मुताबिक, भारत को महाशक्ति बनने के लिए 117 देशों से आगे निकलना पड़ेगा।

यह तभी हो सकेगा जब कृषि, उद्योग, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में छलांग लंबी होगी। खासकर कृषि उत्पादों के रखरखाव और विपणन में सुधार करना होगा।

बंटा हुआ विपक्ष और आप

आर. राजगोपालन

आम आदमी पार्टी (आप) के मुखिया अरविंद केजरीवाल 26 क्षेत्रीय दलों को जोड़ने की कवायद में लगे हैं। छह दिनों में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के साथ छह राज्यों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने शरद पवार, एम के स्टालिन, ममता बनर्जी, हेमंत सोरेन और के चंद्रशेखर राव के साथ मुलाकात की और 2024 के सेमी फाइनल के रूप में देखे जा रहे दिल्ली अध्यादेश (दिल्ली सरकार बनाम उपराज्यपाल) को राज्यसभा में रोकने को लेकर चर्चा की। जब संसद का मानसून सत्र जुलाई, 2023 के मध्य में नए भवन में शुरू होगा, तब तक सेमी फाइनल सिंड्रोम का उत्साह खत्म हो गया होगा, फिर भी आप दिल्ली अध्यादेश के मुद्दे को उठाए हुए है।

कांग्रेस के कुछ नेताओं ने मजाक में टिप्पणी करते हुए कहा कि पंजाब और दिल्ली के मुख्यमंत्री डबल इंजन हैं और वे दोनों पंजाब के एक ही विमान में यात्रा करते हैं। लेकिन उन्होंने दिल्ली के मेयर को क्यों मझधार में छोड़ दिया? इन्हें चाहिए था कि दिल्ली के मेयर को भी भारत जोड़ो दर्शन के लिए विमान से क्षेत्रीय दलों के नेताओं से मिलाते। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार बनाम एलजी मामले में आदेश पारित किया था, जिसमें उसने दिल्ली सरकार को कानून बनाने और अफसरों के ट्रांसफर-पोस्टिंग का अधिकार दिया था। सर्वसम्मत फैसले में शीर्ष अदालत की पांच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने 11 मई को कहा था कि सार्वजनिक व्यवस्था, पुलिस और भूमि जैसे विषयों को छोड़कर दिल्ली सरकार के पास राष्ट्रीय राजधानी में प्रशासनिक सेवाओं पर नियंत्रण होगा। लेकिन केंद्र सरकार ने इसके उलट अध्यादेश जारी कर दिया। ऐसे में केजरीवाल अधिकारियों को व्यवस्थित करने के लिए अपने सरकारी अधिकारों की लड़ाई लड़ रहे हैं। हालांकि अरविंद केजरीवाल अपने 60 करोड़ के शानदार घर के बारे में एक निजी टीवी चैनल के सवाल पर चुप हो गए। अध्यादेश के खिलाफ इस लड़ाई में मूल मुद्दा उसी शीशमहल से बनी नकारात्मक छवि को दूर करना है। यही नहीं, इस मुद्दे पर पंजाब में एक महिला पत्रकार को गिरफ्तार भी किया गया।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपने तमिलनाडु के समकक्ष एमके स्टालिन से मुलाकात की और केंद्र सरकार के विवादास्पद अध्यादेश के खिलाफ अपने अभियान में समर्थन मांगा, जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय राजधानी में प्रशासनिक सेवाओं पर नियंत्रण पाना है। लेकिन द्रमुक ने आप को 'इल्लै' (तमिल में इल्लै का अर्थ 'नहीं' होता है) का संकेत दिया है। इसकी वजह साफ है कि द्रमुक की आप के साथ कोई प्रतिबद्धता नहीं है। कांग्रेस को अभी अपने यूपीए सहयोगियों से इस पर बात करनी है और यह भी विश्लेषण करना है कि द्रमुक को राज्यसभा में आप का समर्थन क्यों करना चाहिए। क्या यह तमिलनाडु की राजनीति में एक तमाशा नहीं बनाएगा?

कांग्रेस पार्टी ने अभी तक राज्यसभा में दिल्ली अध्यादेश पर अपने रुख की पुष्टि नहीं की है। आप के शीर्ष नेताओं के अनुसार, पार्टी दो तरह की बातें करेगी। कांग्रेस राज्यसभा में इसका विरोध करेगी, लेकिन सुविधाजनक तरीके से बहिर्गमन करेगी या तटस्थ रहेगी। अनिर्णय की ऐसी स्थिति आखिरकार भाजपा को ही फायदा पहुंचाएगी और अध्यादेश पारित हो जाएगा। असल में, दिल्ली में अजय माकन और पंजाब में प्रताप सिंह बाजवा द्वारा संभावित विद्रोह को रोकने के लिए पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को उन्हें साथ लेकर चलना ही होगा। भगवंत मान की उपस्थिति में स्टालिन के साथ बैठक के बाद केजरीवाल ने कहा, 'यदि निर्वाचित सरकार का अफसरों पर नियंत्रण नहीं है, तो निर्वाचित सरकार होने का कोई मतलब नहीं है। इतिहास में पहली बार, उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय के आदेश को रद्द किया है। यह असांविधानिक और अलोकतांत्रिक है।' केजरीवाल ने बताया कि 'यह अध्यादेश मानसून सत्र में आएगा। राज्यसभा में उनके समर्थन में 93 सीटें हैं, अगर सभी गैर-भाजपा दल साथ आते हैं, तो हम उन्हें परास्त कर पाएंगे। मैं एमके स्टालिन के समर्थन के लिए आभारी हूं। हर गुजरते दिन के साथ मैं अधिक आत्मविश्वास महसूस कर रहा हूं और यह 2024 का सेमी फाइनल है।'

केजरीवाल का उद्देश्य विपक्षी दलों को अध्यादेश के खिलाफ एकजुट करना और संसद के उच्च सदन में उसे रोकना है, जहां विपक्ष के पास भाजपा और उसके सहयोगियों की तुलना में अधिक सीटें हैं। इसी क्रम में केजरीवाल ने बीते शुक्रवार को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से भी मुलाकात की। केजरीवाल जब ममता बनर्जी, शरद पवार और हेमंत सोरेन जैसे नेताओं से मिले, तो उन्हें अध्यादेश के खिलाफ राज्यसभा में मतदान करने के लिए भारी समर्थन मिला। पर केजरीवाल ने महसूस किया है कि कांग्रेस के मजबूत समर्थन के बिना कांग्रेस से निकले ये क्षेत्रीय संगठन खरगे के इशारे पर चलेंगे और आप के दावे को झुठला देंगे। इससे अरविंद केजरीवाल द्वारा इसे 2024 का सेमी फाइनल बताने जैसे बयानों को झटका लगेगा। वास्तव में कांग्रेस का असली रंग अब सामने आ गया है, जिसे आप नेता भी महसूस कर रहे हैं।

दक्षिण भारत की सियासत की चर्चा तेलुगू देशम पार्टी का जिक्र किए बिना पूरी नहीं हो सकती है। आंध्र प्रदेश में पुनर्गठबंधन की राजनीतिक चर्चाओं के बीच तेलुगू देशम पार्टी के नेता चंद्रबाबू नायडू ने नई दिल्ली में केंद्रीय गृहमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता अमित शाह से मुलाकात की। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी इस बैठक में मौजूद थे, जो गृहमंत्री के आवास पर हुई थी। भाजपा और उसके पूर्व गठबंधन सहयोगी तेदेपा के बीच संभावित गठबंधन की अटकलों के बीच हुई इस बैठक में माना जाता है कि इन नेताओं ने आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में एक साथ चुनाव लड़ने पर चर्चा की। नायडू की पार्टी आंध्र प्रदेश में मुख्य विपक्षी पार्टी है। अगस्त के मध्य में विजयवाड़ा में चंद्रबाबू नायडू एक विशाल बैठक में प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत कर सकते हैं। तेदेपा का वोट बैंक सिकुड़ गया है। उस खालीपन मशहूर उभरते नायक पवन कल्याण ने भरा है। उनकी पार्टी का नाम जन सेना पार्टी है। वह भी एनडीए के साथ गठबंधन करना चाहते हैं।

पहलवानों का दर्द

महिला पहलवान कोई राजनीतिक पार्टी तो नहीं है। वे किसी राजनीतिक दल की प्रत्याशी भी नहीं हैं। फिर उनकी एफआईआर पर कार्रवाई में इतनी देरी क्यों? आख़िर सरकार और उसके अधीन आने वाले खेल संगठन क्या चाहते हैं? क्यों जो कर्ता- धर्ता हैं, वे केवल आरोपी की बात सुन रहे हैं, महिला पहलवानों के आंसू उन्हें दिखते क्यों नहीं?

पहलवानों द्वारा 28 मई को दर्ज कराई गई एफआईआर का खुलासा हुआ तो सरकार ने या सरकार आधारित संगठन ने केवल इतना किया कि 5 जून को होने वाली बृजभूषण शरण सिंह की रैली रोक दी है, बस। कि मामला अभी ठण्डा होने दो। कि आरोपों की तीव्रता जरा धीमी पड़ने दो!

बृजभूषण जो कुश्ती संघ के अध्यक्ष थे, उनके ख़िलाफ़ दो एफआईआर की गई हैं। एक बालिग़ पहलवानों द्वारा। दूसरी नाबालिग पहलवान के पिता द्वारा कराई गई है। एफआईआर में लगाए गए आरोप ऐसे हैं कि कोई भी शर्म से झुक जाए, लेकिन सरकार और उसके अफ़सरों को कोई फ़र्क़ नहीं पड़ रहा है।

पॉस्को की धारा लगी हुई है फिर भी कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। महिला पहलवानों ने एफआईआर में कहा है- उसने हमें फ़ोटो खिंचाने के नाम पर दबोचा। उसने उन्हें इलाज का खर्ज उठाने के नाम पर भींच लिया। उसने कभी करिअर ख़राब करने के नाम पर धमकाया और फ़ायदा उठाना चाहा। उसने कभी साँसें चैक करने के नाम पर टी शर्ट उतरवा दी। कभी विदेश दौरों के दौरान। कभी डब्ल्यूएफआई के दफ़्तर में, तो कभी देश में हुए खेलों के दौरान। सन् 2012 से 2022 तक यह सब होता रहा लेकिन आरोपी को कभी शर्म नहीं आई। और किसी को तो पता ही नहीं था, इसलिए किसी और को दोष देना उस वक्त के लिए तो ठीक नहीं है।

महिला पहलवान अपना करिअर बर्बाद होने से बचाने के लिए यह सब सहती रहीं, अपना मुँह सिले रहीं। जब अति हो गई तब जाकर उन्होंने इस आरोपी के खिलाफ मोर्चा खोला। अब इसमें भी कोई राजनीति देखे, या कोई गुटीय प्रतिद्वंद्विता तलाशे तो यह हद है! महिलाओं को हर फ़ील्ड में आगे बढ़ाने का संकल्प लेने वाले इस देश में आख़िर यह क्या हो रहा है? कोई जवाब देने को तैयार नहीं। कोई सुनने को ख़ाली नहीं।

आरोपी बृजभूषण खुला घूम रहा है। दबंगई के साथ यहाँ- वहाँ भाषण देता फिर रहा है। कोई उसे रोकता नहीं। कोई उसे टोकता नहीं। कहते हैं उत्तरप्रदेश में उसका बड़ा दबदबा है। कोई सरकार उससे बैर लेना नहीं चाहती। क्या वह शासन से बड़ा है? क्या वह सरकार से भी बड़ा है। आख़िर वह कितना बड़ा है? निष्पक्ष जाँच तक नहीं हो रही है। छोटी- मोटी जाँच हुई भी तो उसके दौरान भी उल्टे पहलवानों को ही धमकाया गया या उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया।

पर्यटकों को लुभाते हैं ब्रिस्बेन के समुद्री तट

ब्रिस्बेन आस्ट्रेलिया का तीसरा सबसे बड़ा शहर है। ब्रिस्बेन महानगर होने के बावजूद एक ऐसे कस्बे जैसा लगता है, जहां लोग आपका बहुत गर्मजोशी से स्वागत करते हैं और अपनी मनमोहक मुस्कान बिखेरते हुए आगे बढ़ते हैं। ब्रिस्बेन नदी के दोनों किनारों पर बसा हुआ क्वींसलैंड राज्य की राजधानी है। यहां अक्सर धूप निकली रहती है, इसीलिए इसके गोल्ड कोस्ट तथा सनशाइन कोस्ट जैसे आकर्षक समुद्र तटों पर सैलानियों की भीड़ जुटी रहती है।

एनजैक स्कवायर के सामने एन स्ट्रीट स्थित सेंट्रल स्टेशन से आप इस शहर की यात्रा की शुरुआत कर सकते हैं। उपनगरीय रेल सेवाओं के लिए यह भव्य रेलवे स्टेशन 1900 में बनाया गया था। एनजैक स्कवायर में दूसरे विश्व युद्ध में मारे गए आस्ट्रेलिया के लोगों की याद में एक स्मारक बनवाया गया है जिसे श्राइन आफ रिमेंमबेरेंस नाम दिया गया है। यह गोलाकार ग्रीक टेंपल के आकार का बनाया गया है। इसके निकट ही उत्तर पश्चिम में नगर की सबसे पुरानी इमारत है, जहां कभी आटा पीसने की चक्की बनाई गई थी, लेकिन कुछ तकनीकी कारणों से यह चक्की चली ही नहीं। बाद में बंदियों से यहां हाथ से आटा पिसवाया जाता था, जिसकी वजह से यह स्थान यातनागृह के नाम से मशहूर हो गया। सिटी हाल एक शानदार इमारत है यह जार्ज स्क्वायर में स्थित है और आसपास की तमाम नई ऊंची-ऊंची इमारतों के बीच आज भी आकर्षण का एक प्रमुख केंद्र बनी हुई है। क्लाक टावर की सबसे ऊपर की मंजिल से पूरे ब्रिस्बेन का नजारा लेकर आप निश्चय ही मंत्रमुग्ध हो उठेंगे। मुख्य हाल में आप 19वीं सदी की कलाकृतियों को भी देख सकते हैं।

सिटी हाल के दक्षिण में स्थित है ब्रिस्बेन का मशहूर क्वीन स्ट्रीट माल। यहां किसी भी प्रकार का वाहन नहीं जा सकता और इसमें मुख्य सड़क के दोनों ओर अनेक बड़े-बड़े डिपार्टमेंटल स्टोरों से लेकर छोटी-छोटी दुकानें भी आपको मिल जाएंगी, जहां आप निश्चिंत होकर खरीदारी कर सकते हैं। इतना ही नहीं, आपके मनोरंजन के लिए यहां अनेक सिनेमाघर और रेस्तरां भी हैं। इसी क्षेत्र के विक्टोरिया पुल के पास ही एक अतिआधुनिक तथा विशाल कला केंद्र है जिसमें कलादीर्घा, रंगमंच, पुस्तकालय तथा संग्रहालय एक ही स्थान पर देखने को मिलते हैं। इन सबका अच्छी तरह आनंद उठाने के लिए आपको कम से कम तीन-चार घंटे का समय तो चाहिए ही। कलादीर्घा में 19वीं और 20वीं सदी की यूरोपीय तथा आस्ट्रेलियाई कलाकृतियां भी आप देख सकते हैं।

ब्रिस्बेन का चाइना टाउन हालांकि सिडनी के चाइना टाउन जितना बड़ा तथा भव्य नहीं है, लेकिन फिर भी यहां आने के बाद आपको पछतावा नहीं होगा क्योंकि इस नगर के अन्य आकर्षणों में संसद भवन तथा बोटेनिकल गार्डन भी शामिल हैं। यहां आसपास में डिस्को पब भी हैं आप चाहें तो वहां जाए या फिर मन करे तो बोटेनिकल गार्डन में बैठें। ब्रिस्बेन का वन्य जीवन देखे बिना आपकी यात्रा अधूरी रहेगी, अतः इसका भी आनंद लें। इसके लिए आप बुनया पार्क जा सकते हैं। इस पार्क तक जाने के लिए आप नदी मार्ग से नौका विहार का आनंद लेते हुए जा सकते हैं। इस पार्क में आपको कोआला भालू, कंगारू, कूकाबुरा तथा ईमू जैसे आस्ट्रेलिया के सैंकड़ों प्रकार के पशु-पक्षी देखने को मिलेंगे। बच्चों के मनोरंजन के लिए तथा इन अनोखे जीवों से उन्हें निकट से मिलवाने के लिए इससे बढ़कर और कोई बढ़िया जगह नहीं हो सकती।

हिमालय के विहंगम दृश्यों से भरा मुक्तेश्वर

उत्तराखंड के नैनीताल जिले में हैं बेहतरीन पर्यटक स्थल मुक्तेश्वर। नैनीताल से 51 किलोमीटर दूर यह जगह कुमाऊं हिल पर लगभग 7500 फीट ऊंचाई पर है। मुक्तेश्वर का नाम यहां 350 साल पुराने शिव मंदिर मुक्तेश्वर धाम के नाम पर पड़ा। यह मंदिर इस शहर के सबसे ऊंचे स्थान पर है। मंदिर वेटेरिनरी इंस्टीट्यूट के पास है। यहां रॉक क्लाइबिंग व रैपलिंग की भी सुविधा है, जहां से घाटी का बेहतरीन नजारा दिखाई देता है। मुक्तेश्वर संतों का आवास स्थल रहा है। श्री मुक्तेश्वर महाराज जिनका निवास स्थल मंदिर के पास ही था, वहां आज इनकी समाधि है। पूरा मंदिर एक तपोवन की तरह है और यह ध्यान के लिए बेहतरीन जगह है।

प्रकृति का अद्भुत सौंदर्य समेटे मुक्तेश्वर पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। चौली की जाली से प्राकृतिक नजारे को देखा जा सकता है। यहां से गिद्ध और अन्य पक्षियों की उड़ान और शिकार करते भी देख सकते हैं। देवदार के जंगल, बर्फ की चोटियां और वन्य प्राणियों जैसे बाघ और भालू अनायास दिखाई दे जाते हैं। ये यहां के आकर्षण हैं। मुक्तेश्वर की असली खूबसूरती वहां की प्रकृति में तो है ही, देवदार के जंगलों में बहती हवाओं की आवाज रोमांच पैदा करती है। चिड़ियों की चहचहाहट मन को निर्मल करती है और पर्यटक ध्यानमग्न होकर शांति की तलाश करते हैं।

मुक्तेश्वर प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर है। खासकर हिमालय का खूबसूरत विहंगम दृश्य। यहां भारत की दूसरी सबसे ऊंची चोटी नंदा देवी है। पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण मुक्तेश्वर खेती के लिए बेहतर माना जाता है। आलू की खेती के साथ-साथ यहां के हिलसाइड में आर्किड की भी खेती की जाती है। लेखक जिम कार्बेट ने अपनी किताब मैन-इटर्स आफ कुमाऊं के यहां के जंगलों के फायदे और रोमांच के बारे में जिक्र किया है। मुक्तेश्वर में इंडियन वेटेनरी रिसर्च इंस्टीट्यूट भी देख सकते हैं। यहां का मौसम उत्तरी भारत के इलाकों जैसा ही है। यहां गर्मियां थोड़ी कम पड़ती हैं। यहां गर्मियों में भी हल्की बारिश का मजा लिया जा सकता है। मानसून में यहां ठंडक रहती है। सर्दियों में मुक्तेश्वर बर्फ की तरह जमा देने वाली ठंड की चपेट में होता है। ग्यारह मार्च 2010 में यहां लोकल कम्युनिटी रेडियो कुमाऊं वाणी की शुरूआत की गई। यह रेडियो वहां के निवासियों को पर्यावरण, खेती, संस्कृति, मौसम और शिक्षा के बारे में वहीं की भाषा में प्रोग्राम पेश करता है। दस किलोमीटर के दायरे तक इस रेडियो का प्रसारण सुना जा सकता है। हाल ही में यहां पर टेरी ने रिन्यूअवल पार्क बनाया है जहां सौर ऊर्जा उत्पादन किया जाता है। मुक्तेश्वर जाने के लिए नजदीकी हवाई अड्डा पंतनगर और काठगोदाम रेलवे स्टेशन हैं। भीमताल और नैनीताल से बस या टैक्सी से भी यहां आसानी से पहुंचा जा सकता है।

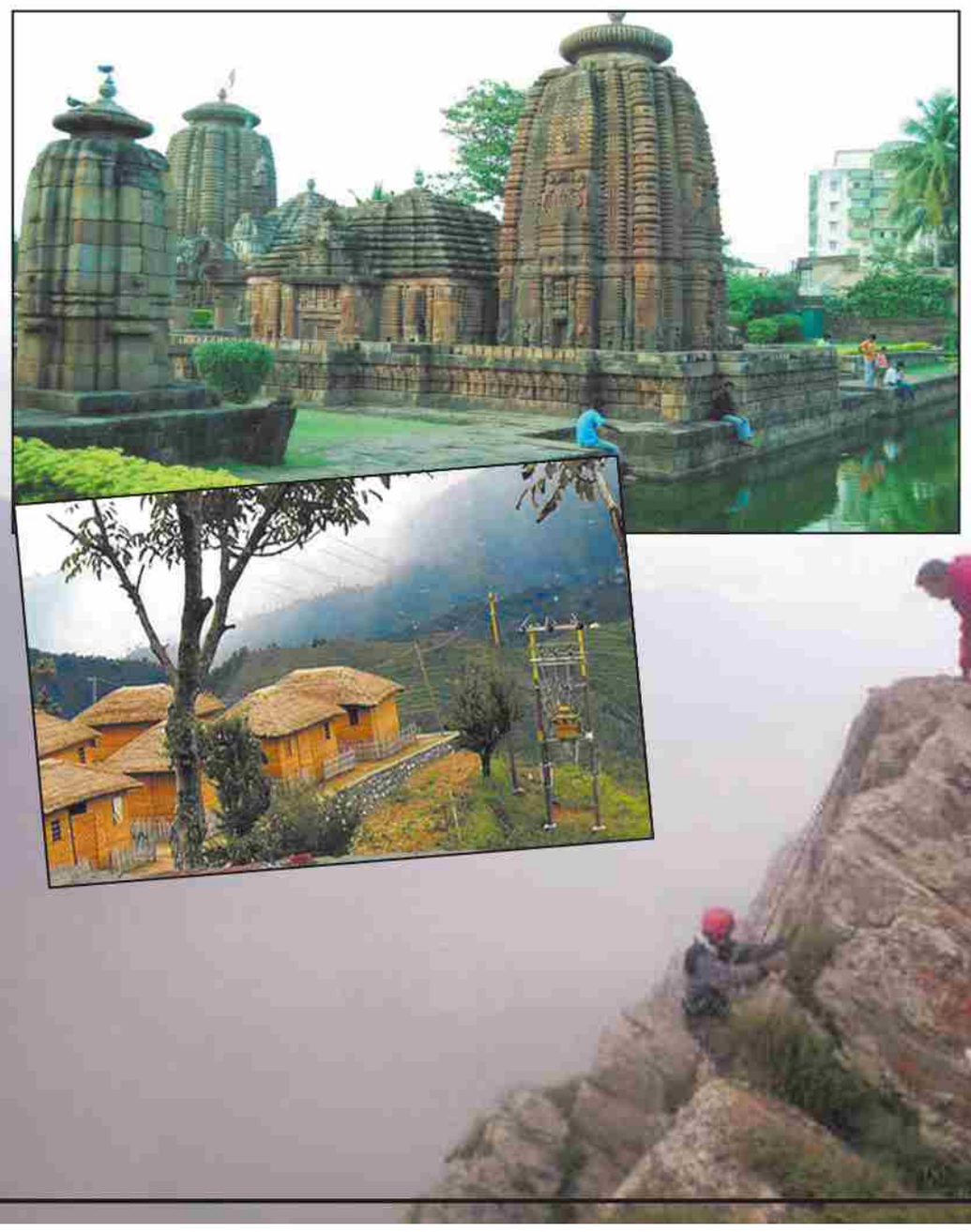

पहाड़ों की चादर ओढ़े मेघालय

मेघालय देश के उत्तरी पूर्व क्षेत्र का खूबसूरत राज्य है जिसे देख कर लगता हैं मानो इसने पहाड़ की चादर ओढ़ रखी हो। इस राज्य का एक तिहाई हिस्सा घने जंगलों से भरा है। इस राज्य को पूरब का स्काटलैंड कहा जाता है। यहां पूरे देश के मुकाबले बहुत ज्यादा बारिश होती है।

मेघालय बायोडाइवरसिटी यानी जैविक विविधता से भरपूर है। यहां पौधे, जीव-जन्तु और पक्षियों की कई प्रजातियां पाई जाती हैं। मेघालय में खेती में प्राथमिकता दी गई है। यहां की मुख्य फसलें हैं- केला, मक्का, अनानास, आलू और चावल। मेघालय की शिलांग चोटी को यहां के निवासी भगवान का निवास स्थल मानते हैं। पर्यटकों का यहां हर समय तांता लगा रहता है। इस राज्य की खूबसूरती और इसके मनमोहक दृश्य के कारण पर्यटक खिंचे चले आते हैं। यहां तीन वाइल्ड लाइफ सैंक्चरी और दो नेशनल पार्क हैं। ट्रैकिंग, हाइकिंग और पर्वतारोहण के दीवानों के लिए यह जगह बेहतर है। यहां यूमियान लेक में वॉटर स्पोर्ट्स का मजा लिया जा सकता है। यहां के लोगों में वॉटर स्पोर्ट्स काफी लोकप्रिय है। चूना पत्थर और बलुआ पत्थर से बनी लगभग 500 गुफाएं यहां मौजूद हैं। जिनमें से कुछ ऐसी भी हैं, जो देश की सबसे लंबी और गहरी गुफा है। ये गुफाएं देखने के लिए देश-विदेश से पर्यटक आते हैं। इस राज्य का सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थल है चेरापूंजी। यहां के अद्भुत प्राकृतिक दृश्य पूरे उत्तरी-पूर्व भारत में सबसे अनोखे और दर्शनीय हैं।

यहां कई वाटरफॉल हैं। जैसे शेदेथम फॉल्स, विनिया फॉल्स, एलिफेंट फाल्स, नोहकालीलाई, स्वीट फॉल्स, विशप्स फाल्स और लैंगशियांग फॉल्स। इन झरनों की खूबसूरती देखते बनती है। मेघालय को खैसिस, जैंटिया और गैरो हिल्स के अनुसार विभिन्न भागों में बांटा गया है। यहां कई नदियां हैं, जिनमें कुछ मौसमी हैं। इनमें से कुछ नदियां खूबसूरत वाटरफॉल बनाती हैं। मेघालय घूमने का सबसे अच्छा मौसम है गर्मियां। वैसे आप मेघालय कभी भी जाएं गर्म कपड़ों की जरूरत हमेशा पड़ती है। सड़क, रेल और हवाई यातायात के साथ यहां हेलिकॉप्टर सेवा भी उपलब्ध है, जो शिलांग से गुवाहाटी को जोड़ती है।

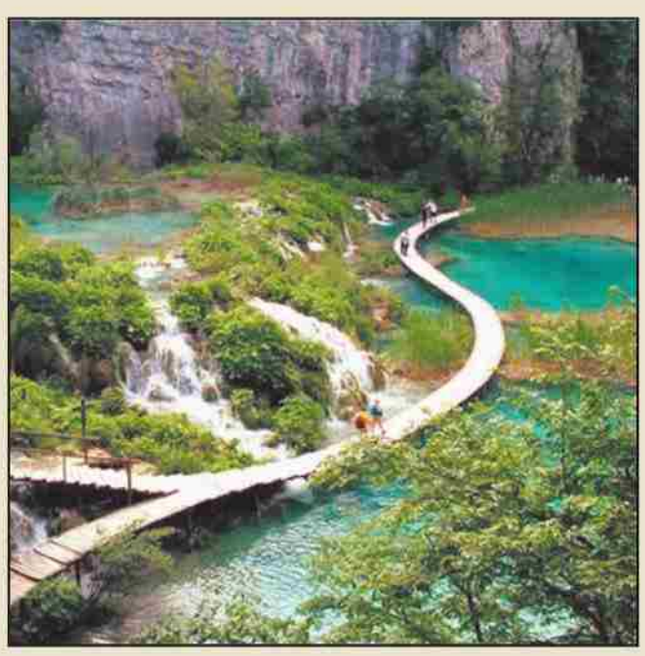

बांग्लादेश में ट्रक और पिकअप में आमने-सामने की टक्कर, 14 की मौत

ढाका । बांग्लादेश के सिलहट जिले में ट्रक और पिकअप वैन की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में 14 लोगों की मौत हो गई और 12 अन्य घायल हुए हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि सभी मृतक मजदूर थे। यह हादसा सुबह करीब छह बजे हुआ। पुलिस अधिकारी के अनुसार, सभी घायलों को इलाज के लिए स्थानीय अस्पतालों में भर्ती कराया गया। पुलिस हादसे की जांच कर रही है। मुख्य रूप से जर्जर राजमार्गों, खराब रखरखाव वाले वाहनों, चालकों द्वारा यातायात नियमों के उल्लंघन और यातायात विभाग की निगरानी की कमी के कारण बांग्लादेश में सड़क दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं। इसलिए यहां मृत्यु दर सबसे अधिक है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश में ईद-उल-फितर त्यौहार के दौरान 15 अप्रैल से 29 अप्रैल तक 304 सड़क दुर्घटनाओं में कम से कम 328 लोग मारे गए हैं और 565 अन्य घायल हो गए।

वर्जीनिया कॉमनवेल्थ विवि के पास गोलीबारी में दो की मौत, पांच घायल

वर्जीनिया। अमेरिका के वर्जीनिया प्रांत के रिचमंड में कॉमनवेल्थ यूनिवर्सिटी के पास हुई गोलीबारी में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई है जबकि पांच लोग घायल हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, एक हाई स्कूल स्नातक समारोह के बाद वर्जीनिया कॉमनवेल्थ यूनिवर्सिटी के पास हुई गोलीबारी में अभी तीन की हालत गंभीर है। रिचमंड के पुलिस प्रमुख रिक एडवर्ड्स ने कहा कि इस मामले में दो लोगों को हिरासत में लिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि वर्जीनिया के रिचमंड में हाई स्कूल ग्रेजुएशन समारोह के बाद अल्ट्रिया थिएटर के बाहर मंगलवार शाम को हुई गोलीबारी में कई लोग घायल हो गए। रिचमंड पुलिस प्रवक्ता ट्रेसी वाकर ने चोटों की पुष्टि की और कहा कि लोगों को तत्काल कोई खतरा नहीं है। रिचमंड पब्लिक स्कूल के अधिकारी मैथ्यू स्टैनली ने कहा कि हूगनॉट हाई स्कूल से ग्रेजुएशन के बाद मुनरो पार्क में शूटिंग हुई। यह पार्क वर्जीनिया कॉमनवेल्थ यूनिवर्सिटी के परिसर में थिएटर के सामने सड़क के पार है। स्टेनली ने कहा हमने आज शाम बाद में निर्धारित एक अन्य स्कूल के स्नातक समारोह रद कर दिया है। स्कूल प्रणाली की वेबसाइट के अनुसार मंगलवार को अल्ट्रिया थिएटर में तीन स्कूलों के लिए ग्रेजुएशन समारोह को निर्धारित किया गया था। वर्जीनिया कॉमनवेल्थ यूनिवर्सिटी द्वारा शाम 5 बजे भेजे गए एक अलर्ट में कहा गया है कि मुनरो पार्क में शूटिंग हुई है। रिचमंड के मेयर लेवर एम. स्टोनी ने स्थिति के बारे में ट्विटर पर एक बयान जारी किया। स्टोनी ने ट्वीट किया कि वर्तमान में मोनरो पार्क में स्थिति की निगरानी कर रहा हूं। आरपीडी और आरपीएस के संपर्क में हूं। जैसे ही कोई जानकारी आती है, जानकारी उपलब्ध कराएंगे।

पाकिस्तान में रात 8 बजे दुकानें बंद करने का तुगलकी फरमान जारी

इस्लामाबाद । आर्थिक तंगी झेल रहे पाकिस्तान में रात आठ बजे दुकानें बंद करने का तुगलकी फरमान जारी किया गया है। गौरतलब है कि पाकिस्तान को अब आईएमएफ से छोड़िए दोस्त देशों से भी कर्ज नहीं मिल रहा है। इससे देश में आर्थिक संकट विकराल होता जा रहा है और पाकिस्तान के डिफॉल्ट होने का खतरा मंडरा रहा है। इस संकट से उबरने और पैसे बचाने के लिए अब पाकिस्तान ने तुगलकी प्लान बनाया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पाकिस्तान की संघीय और प्रांतीय सरकारों ने एक राय से फैसला किया है कि रात को 8 बजे देश में दुकानें बंद कर दी जाएंगी। पाकिस्तान के प्लानिंग मिनिस्टर अहसान इकबाल ने कहा कि इस फैसले को देश में ऊर्जा बचाने के प्रयास के तहत लिया गया है। इकबाल ने राष्ट्रीय आर्थिक परिषद की बैठक में इस फैसले की सूचना दी। यह बैठक इस्लामाबाद में हुई थी और इसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने की थी। इकबाल ने कहा कि सिंध, पंजाब ओर खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के मुख्यमंत्रियों ने इस बैठक में हिस्सा लिया था। मंत्री ने दावा किया कि इस कदम से हर साल 1 अरब डॉलर बचाया जा सकेगा। इकबाल ने कहा कि संसाधनों को बचाने के लिए यह आदेश दिया गया है। क्योंकि पाकिस्तान के लिए ऊर्जा संकट बड़ी चुनौती बन गया है। मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान सरकार को तेल के आयात को कम करना चाहिए और ऊर्जा बचाने पर फोकस करना चाहिए। सरकार अब ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देगी। शहबाज शरीफ सरकार ने सभी विभागों को निर्देश दिया है कि वे बिजली की खपत में 30 फीसदी की कमी करें। पाकिस्तान इस समय कर्ज के लिए भीख मांग रहा है और उसे अपना अमेरिका स्थित होटल तक लीज पर देना पड़ा है। जानकारी के अनुसार पाकिस्तान आईएमएफ से कर्ज मांग रहा है ताकि देश को डिफॉल?ट होने से बचाया जा सके। वहीं आईएमएफ ने पाकिस्तान को कर्ज देने से किनारा कर लिया है।

एअर इंडिया के विमान पर अमेरिका की करीबी नजर

वाशिंगटन । सैन फ्रांसिस्को जा रहे एअर इंडिया के विमान को आपात स्थिति में रूस में उतारे जाने के मामले पर अमेरिका करीबी नजर रख रहा है। हालांकि एअर इंडिया ने मंगलवार शाम को एक बयान में कहा था कि एअर इंडिया की उड़ान संख्या एइआई-173 छह जून को दिल्ली से सैन फ्रांसिस्को के लिए रवाना हुई थी, तभी विमान के एक इंजन में तकनीकी खराबी आने की जानकारी मिली। बयान में बताया गया था कि विमान में 216 यात्री और चालक दल के 16 सदस्य सवार थे तथा इसे रूस के मगादान हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतार लिया गया। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने मीडिया को बताया कि हमें अमेरिका आ रहे एक विमान को आपात स्थिति में रूस में उतारे जाने के बारे में जानकारी मिली है। हम स्थिति पर करीबी नजर रख रहे हैं। मैं अभी विमान में सवार अमेरिकी नागरिकों की संख्या के बारे में नहीं बता सकता।' उन्होंने एक प्रश्न के उत्तर में कहा, 'यह अमेरिका आ रही उड़ान थी, तो यकीनन इसमें अमेरिकी नागरिक भी सवार होंगे। खबरों के अनुसार, एअर इंडिया ने बताया है कि वह यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए दूसरा विमान भेज रही है, लेकिन मैं चाहूंगा कि विमानन कंपनी इस मामले में आगे कुछ भी नहीं बोले।

माइक पेंस आयोवा से करेंगे चुनाव प्रचार की शुरुआत

डेस प्लेन्स । अमेरिका के पूर्व उपराष्ट्रपति माइक पेंस रिपब्लिन पार्टी से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी हासिल करने के लिए बुधवार को आयोवा से अपने प्रचार अभियान की शुरुआत करेंगे। वह ट्रंप के खिलाफ अपना चुनाव प्रचार शुरु करेंगे। गौरतलब है कि पेंस पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में उपराष्ट्रपति थे। ट्रंप पहले ही कह चुके हैं कि वह रिपब्लिकन पार्टी का उम्मीदवार बनने की दौड़ में शामिल होंगे। ऐसा पहली बार होगा, जब रिपब्लिकन पार्टी से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी हासिल करने की कोशिश में किसी पूर्व राष्ट्रपति को अपने उप राष्ट्रपति की चुनौती का सामना करना पड़ेगा। पेंस और उनके सलाहकार आयोवा को उनके नामांकन के लिए महत्वपूर्ण स्थान मान रहे हैं। रिपब्लिकन पार्टी के भीतर नामांकन संबंधी मतदान सबसे पहले इसी राज्य में होगा। आयोवा में बड़ी संख्या में ईसाई मतदाता हैं और पेंस के समर्थक इस राज्य को पूर्व उपराष्ट्रपति के संभावित निर्वाचन क्षेत्र के रूप में देखते हैं। उन्हें यह भी लगता है कि कांग्रेस में इंडियाना का प्रतिनिधित्व करने वाले पेंस का व्यक्तित्व इस राज्य के लिए उपयुक्त है। पेंस की उम्मीदवारी का समर्थन करने के लिए पिछले महीने शुरू किए गए 'सुपर पीएसी' अभियान के सह-अध्यक्ष स्कॉट रीड ने कहा, 'हमारा मानना है कि जीत का रास्ता आयोवा और उसकी 99 काउंटी से होकर गुजरता है।

बोंडी बीच पर पॉटी का बना ढेर...लोग छू-छूकर ले रहे सेल्फी!

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया में समुद्र में बढ़ते प्रदूषण को रोकने के लिए प्रशासन द्वारा अनोखा तरीक अपनाया है। दरअसल, ऑस्ट्रेलिया में समुद्र में प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है, इसपर लगाम लगाने के लिए वहां के बोंडी बीच पर लगभग 4 मीटर तक ऊंची पॉटी की आकृति खड़ी की गई है। इस पॉटी की आकृति को वेस्ट आइटम्स से तैयार किया गया है और इस आकृति को इंसान की पॉटी का रूप दिया गया है। इस देखने के लिए लोग दूर-दूर से आ रहे है और लोग इस आकृति को छू कर सेल्फी लेते दिखाई दिए। बता दें कि ऑस्ट्रेलिया में समुद्र में प्रदूषण के बढ़ते स्तर को देखकर वहां कई तरह के जागरूक कार्यक्रम बनाए गए जहां लोगों को प्रदूषण के प्रति अवेयरनेस दी गई। इसके पहले ऑस्ट्रेलिया के पर्यावरण मंत्री ने इस बात की जानकारी देकर बताया कि समुद्र में लोगों द्वारा फेंके जा रहे कचरे और प्लास्टिक की वजह से समुद्री जीवन प्रभावित हो रहा है।

पेरिस में पेंशन सुधारों के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए लोग 2024 ओलंपिक खेलों के मुख्यालय के बाहर नारेबाजी करते हुए।

भारतीय संसद में अखंड भारत का नक्शा लगाने से भड़के बांग्लादेशी

ढाका। भारतीय संसद की नई बिल्डिंग में अखंड भारत का नक्शा विवाद का कारण बनता जा रहा है। इसे लगाए जाने पर बांग्लादेशी नेता भड़क उठे हैं। अब बांग्लादेश के विदेश राज्य मंत्री शहरियार आलम ने कहा है कि हमारी सरकार भारत सरकार से इस पूरे मामले में सफाई मांगने जा रही है। इससे पहले नेपाल और पाकिस्तान में भी इस भित्तिचित्र को लेकर अपना कड़ा विरोध जताया है। बांग्लादेशी मंत्री ने बताया कि हमने नई दिल्ली में अपने उच्चायोग को निर्देश दिया है कि वह भारत के विदेश मंत्रालय से अखंड भारत के नक्शे पर संपर्क करे। इस भित्तिचित्र में बांग्लादेश, नेपाल और पाकिस्तान का इलाका भी शामिल है। इससे पहले भारतीय विदेश मंत्रालय ने साफ किया है कि यह कोई अखंड भारत का नक्शा नहीं बल्कि सम्राट अशोक के शासन का इलाका है। बांग्लादेशी मंत्री आलम ने ढाका में पत्रकारों से कहा कि सरकार भारत से इस बारे में जवाब मांगने की प्रक्रिया में है। आलम ने यह टिप्पणी ऐसे समय पर की है जब दो दिन पहले ही बांग्लादेश की मुख्य विपक्षी पार्टी बीएनपी ने इस भित्तिचित्र को बांग्लादेश की स्वंतत्रता और संप्रभुता को खतरा करार दिया था। मंत्री आलम ने कहा कि इस नक्शे को लेकर व्यापक स्तर पर गुस्सा है। आलम ने कहा कि हम भारत के विदेश मंत्रालय से सफाई मांग रहे हैं कि उनका आधिकारिक रुख क्या है। इससे पहले नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री बाबूराम भट्टाराई ने इस भित्तिचित्र को लेकर भारत को चेतावनी दी थी। इस नक्शे में नेपाल के लुंबिनी और कपिलवस्तु को भी दिखाया गया है। बांग्लादेशी मंत्री ने भारतीय विदेश मंत्रालय के बयान से सहमति जताई और माना कि यह भित्तिचित्र राजनीतिक वास्तविकता को नहीं बल्कि सांस्कृतिक विस्तार को दिखाता है।

यूक्रेन में बांध टूटने से 24 गांव पानी में डूबे, 42 हजार लोगों पर खतरा मंडराया

रूस ने यूक्रेन पर हमला के तौर पर किया बांध का आंशिक विनाश : यूएन चीफ एंटोनियो गुटेरेस

कीव (एजेंसी)। (ईएमएस)। यूक्रेन में नोवा कखोवका बांध टूट है, जिससे बाढ़ आ गई है। अधिकारियों का अनुमान है कि बाढ़ से लगभग 42 हजार लोगों पर खतरा मंडरा रहा है, जिसके चरम पर पहुंचने की आशंका है। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए फुटेज में रूसी नियंत्रित शहर नोवा कखोवका में भयंकर बाढ़ दिखाई दे रही है। नोवा कखोवका और आसपास की दो बस्तियों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने के लिए 53 निकासी बसें भेजी जा रही हैं। यूक्रेनी अधिकारी 17 हजार से अधिक लोगों को निकाल रहे हैं। यूक्रेन के आंतरिक मंत्रालय ने कहा कि 24 गांवों में बाढ़ आ गई है। यूक्रेन ने अनुमान लगाया है कि लगभग 100 गांवों और कस्बों में बाढ़ आएगी और 5 से 7 दिनों के बाद ही पानी के स्तर में गिरावट आएगी।

दक्षिणी यूक्रेन में रूस के कब्जे वाले एक डैम पर मंगलवार को हुए हमले के बाद भारी मात्रा में पानी बहने लगा। दो दर्जन गांवों में बाढ़ आ गई और 17 हजार लोगों को वहां से निकालना पड़ा। रूसी अधिकारियों ने यूक्रेन को दोषी ठहराया, जबकि कीव ने रूसी सेना पर इस हमले का आरोप लगाया है। बाढ़ से प्रभावित लगभग 80 समुदायों को सुरक्षित स्थान पर ले जाने के लिए बसों, ट्रेनों और निजी वाहनों का इस्तेमाल किया गया। नदी तट पर

स्थित काज़कोवा डिब्बोवा चिड़ियाघर पूरी तरह से बाढ़ में डूब गया था और सभी 300 जानवर मर गए।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने रूस पर बांध को उड़ाने का आरोप लगाया और अधिकारियों के हवाले से कहा कि 80 बस्तियों तक बाढ़ आने की आशंका है और दुनिया से प्रतिक्रिया करने का आग्रह किया। यह बांध यूरोप के सबसे बड़े परमाणु संयंत्र के लिए ठंडा पानी प्रदान करता है। पश्चिमी शक्तियों ने भी नुकसान के लिए रूस को दोषी ठहराया। यूएन चीफ एंटोनियो गुटेरेस ने मंगलवार को कहा कि यूक्रेन में कखोवका बांध का आंशिक विनाश रूस ने अपने पड़ोसी पर आक्रमण के तौर पर किया है।

ताइवान को लेकर चीन और अमेरिका आमने-सामने, एक और युद्ध का खतरा

ताइपे (एजेंसी)। ताइवान को लेकर चीन और अमेरिका के बीच कभी भी युद्ध छिड़ सकता है। लेकिन दुनिया पर यह युद्ध भारी पड़ जाएगा। अमेरिका के रक्षा मंत्री लार्ड आस्टिन बीते दिनों सिंगापुर में थे। चीन के रक्षा मंत्री ने इस दौरान कहा कि चीन और अमेरिका के बीच अगर युद्ध हुआ तो दुनिया उसे सह नहीं पाएगी। ये बयान उस समय आया जब चीन की खाड़ी में चीन और अमेरिकी युद्धपोत एक दूसरे के इतने नजदीक आ गए कि उनके टकराने की नौबत आ गई। गौरतलब है कि ताइवान की खाड़ी में अमेरिका और कनाडा के युद्धपोत युद्धाभ्यास कर रहे थे। इस दौरान अमेरिकी युद्धपोत आगे बढ़ रहा था। तभी चीन का युद्धपोत उसके रास्ते को काटने के लिए आगे बढ़ने लगा।चीन के सैनिक जहाज ने ताइवान की समुद्री सीमा में तैनात अमेरिकी वॉरशिप का असुरक्षित तरीके से रास्ता काटा। उस समय दोनों जहाजों के बीच दूरी महज 150 मीटर रह गई थी। इसके बाद चीन का जहाज वहां से निकल गया। यह घटना ताइवान स्ट्रेट पर शनिवार को हुई, जिसका विडियो अमेरिका ने सोमवार को जारी किया। इस घटना के कारण हादसे को रोकने के लिए अमेरिकी वॉरशिप को अपनी रफ्तार धीमी करनी पड़ी। थी।

घटना के दौरान अमेरिकी वॉरशिप यूएसएस चुंग-हून और कनाडाई जंगी जहाज एचएमसीएस मॉन्ट्रियल ताइवान और चीन के मुख्य भू-भाग के बीच स्थित ताइवान स्ट्रेट पर आवाजाही की आजादी के तहत यात्रा कर रहे थे। चीन से कहा कि यह समुद्री नियमों के खिलाफ चीन के रास्ता रोकने पर अमेरिका की हिंद-प्रशांत कमान ने कहा कि ऐसी हरकत अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में सुरक्षित रूप से गुजरने के समुद्री नियमों का उल्लंघन हैं। चीन ने अपने कदम का बचाव किया है। इससे पहले मई के आखिरी हफ्ते में एक वीडीयो अमेरिका की तरफ से जारी किया गया था। जिसमें चीन का फाइटर प्लेन अचानक अमेरिका के प्लेन के काफी करीब आता है। फिर टर्न करता हुआ वापस चला जाता है। ऐसा लगा कि चीन ने जानबूझकर ऐसा किया। शायद उनका मकसद अमेरिका के फाइटर पायलट को दहशत में डालना था।

राष्ट्रपति मुर्मू ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर अर्पित की पुष्पांजलि

पारामारिबो (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को सूरीनाम के अपने समकक्ष चंद्रिकाप्रसाद संतोखी के साथ राजधानी पारामारिबो में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। राष्ट्रपति मुर्मू तीन दिवसीय राजकीय यात्रा पर रविवार को सूरीनाम पहुंचीं। पिछले साल जुलाई में राष्ट्रपति पद का कार्यभार संभालने के बाद यह उनकी पहली विदेश यात्रा है। राष्ट्रपति भवन ने ट्वीट किया, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सूरीनाम के राष्ट्रपति चंद्रिकाप्रसाद संतोखी के साथ पारामारिबो में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने सूरीनाम के पारामारिबो में आर्य दिवाकर मंदिर और श्री विष्णु मंदिर में पूजा अर्चना भी की। राष्ट्रपति मुर्मू ने पारामारिबो में गेवलेन हेल्डेन 1902 के स्मारक पर भी श्रद्धांजलि अर्पित की। यह स्मारक सूरीनाम के इतिहास में श्रमिकों के अधिकारों और सामाजिक न्याय के लिए संघर्ष की याद दिलाता है। उन्होंने पारामारिबो में एक संग्रहालय का भी दौरा किया। राष्ट्रपति भवन ने ट्वीट किया, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पारामारिबो में लक्ष्य रूख संग्रहालय का दौरा किया। संग्रहालय के संग्रह में ऐसी कलाकृतियां और अवशेष हैं जो भारत से 150 साल पहले हिंदुस्तानी समुदाय द्वारा सूरीनाम तक की कठिन यात्रा से संबंधित हैं।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने यूक्रेनी बांध टूटने के गंभीर परिणामों की दी चेतावनी

कीव (एजेंसी)। दक्षिणी यूक्रेन में कखोवका पनबिजली संयंत्र बांध के नष्ट होने से जनजीवन पर असर पड़ने वाला है। संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के अवर महासचिव और आपातकालीन राहत समन्वयक मार्टिन ग्रिफिथ्स ने उसके गंभीर परिणामों की चेतावनी दी है। मिली जानकारी के अनुसार, ग्रिफिथ्स ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक आपात बैठक में कहा, फरवरी 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध की शुरूआत के बाद से बांध का नष्ट होना संभवतः नागरिक बुनियादी ढांचे को नुकसान की सबसे बड़ी घटना है। उन्होंने कहा, इस तबाही की भयावहता आने वाले दिनों में पूरी तरह से महसूस की जाएगी। लेकिन यह पहले से ही स्पष्ट है कि दक्षिणी यूक्रेन में हजारों लोगों के लिए इसके गंभीर और दूरगामी परिणाम होंगे। उन्होंने कहा कि बांध द्वारा निर्मित कखोवका जलाशय, इस क्षेत्र की जीवन रेखा है और लाखों लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण जल स्रोत है, न केवल खेरसॉन में बल्कि जपोरिजिया और निप्रो ओब्लास्ट में भी। ग्रिफिथ्स ने कहा ?कि बांध दक्षिणी खेरसॉन और क्रीमिया प्रायद्वीप में कृषि सिंचाई का एक प्रमुख स्रोत है। निरंतर बाढ़ कृषि गतिविधियों को बाधित करेगी, पशुधन और मत्स्य पालन को नुकसान पहुंचाएगी, और व्यापक दीर्घकालिक परिणाम लाएगी। यह खाद्य उत्पादन क्षेत्र के लिए एक बड़ा झटका है जो पहले से ही काफी क्षतिग्रस्त है।

मार्टिन ग्रिफिथ्स ने कहा कि हम विशेष रूप से खदान और विस्फोटक आयुध संदूषण के जोखिमों के बारे में चिंतित हैं, क्योंकि पानी के साथ ये गोला-बारूद उन इलाकों में पहुंचेंगे जिन्हें पहले सुरक्षित माना गया था। इस प्रकार लोगों को आगे ज्यादा तथा अप्रत्याशित खतरा हो सकता है। बांध के टूटने से बिजली उत्पादन पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। इसके अतिरिक्त, जलाशय के जल स्तर में कोई भी अनियंत्रित कमी जपोरिजिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र की सुरक्षा को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकती है। अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी स्थिति पर करीबी नजर रख रही है। अभी तक, तत्काल किसी खतरे की सूचना नहीं मिली है।

यूक्रेनी अधिकारियों ने बताया है कि खेरसॉन ओब्लास्ट में कम से कम 40 बस्तियां पहले से ही बाढ़ग्रस्त हैं। आने वाले दिनों में यह संख्या बढ़ने की आशंका है। इसका गंभीर प्रभाव रूस द्वारा नियंत्रित क्षेत्रों में भी होने की उम्मीद है, जहां मानवतावादी अभी भी पहुंच हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र और मानवतावादी संगठनों ने पहले ही इस घटना के प्रभाव को दूर करने की कोशिश करने के लिए अभियान तेज कर दिया है। उन्होंने कहा कि 16,000 से अधिक प्रभावित लोगों को तत्काल सहायता प्रदान करने के लिए आपातकालीन प्रतिक्रिया चल रही है।

रूस के सूनसान इलाके में लैंड हुआ एयर इंडिया का विमान, यात्री परेशान

सैनफ्रांसिस्को । एयर इंडिया की सैन फ्रांसिस्को जाने वाली फ्लाइट की रूस में लैंडिंग ने भारत से अमेरिका तक हंगामा खड़ा कर दिया है। मंगलवार को इंजन में तकनीकी खराबी के कारण दिल्ली से सैन फ्रांसिस्को जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 173 को डायवर्ट कर रूस के मगदान में लैंड कराया गया। इमरजेंसी में हुई लैंडिंग पर अमेरिका अलर्ट है और उसका कहना है कि इस पूरे मामले पर वह नजर बनाए हुए है। मगर जो खबरें आ रही हैं उसके मुताबिक यात्रियों को इस वजह से खासी असुविधा का सामना करना पड़ा। उन्हें जमीन पर सोने के लिए मजबूर होना पड़ा है। एयर इंडिया की तरफ से यह दावा किया गया था कि प्लेन की लैंडिंग के बाद यात्रियों को सभी तरह की सहायता प्रदान की जा रही है। प्रवक्ता की तरफ से कहा गया था कि जल्द से जल्द फ्लाइट को गंतव्य तक पहुंचने के लिए वैकल्पिक सुविधा प्रदान की जाएगी। एयर इंडिया के मुताबिक फिलहाल विमान की जांच जारी है और यात्रियों को हुई असुविधा के लिए भी खेद जताया गया था। जबकि दावों की सच्चाई को भी झुटलाया जा रहा है। एयर इंडिया के एक बयान के उलट ऐसा लगता है कि इमरजेंसी लैंडिंग के बाद जो यात्री सैन फ्रांसिस्को जा रहे थे उन्हें रूस के मगदान शहर के किसी होटल में नहीं बल्कि शयन गृह में ठहराया गया।

अब अपने एटम बम बेचेगा पाकिस्तान, आईएसआई ने सुझाया कंगाली दूर करने का प्लान, ये 2 मुस्लिम देश बनेंगे खरीदार!

ढाका। (एजेंसी)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री कटोरा लिए कई देशों में भीख मांगते हुए दिखे, लेकिन इन सब का उन्हें कोई खास फायदा हुआ नहीं। ऐसे में अब पाकिस्तान कंगाली को दूर करने के लिए एटमी प्लान पर अमल कर सकता है। दरअसल पाकिस्तान की आर्थिक हालत को सुधारने और कटोरा पॉलिसी से निजात पाने के लिए आईएसआई के करीबी और राजनीति विश्लेषक हामिज ने सरकार को एक फॉर्मूला दिया है। उन्होंने शहबाज शरीफ सरकार को सुझाव दिया है कि पाकिस्तान को तुर्की और सऊदी अरब को परमाणु बम बेच देने चाहिए।

सऊदी अरब को पांच परमाणु बम बेचने पर एक घंटे में 25 अरब डॉलर मिल जाएंगे। तुर्की पांच परमाणु बम के बदले पाकिस्तान को 20 अरब डॉलर दे देगा। भारत को गजवा ए हिंद के नाम से धमकी देने वाले लाल टोपी के नाम से बदनाम जैद हामिद यही नहीं रुके। बल्कि पाकिस्तान की सरकार को अपनी मिसाइल तक बेचने की सलाह दे डाली। भारत को परमाणु हम की धमकी देने वाले जैद हामिद ने पाकिस्तान की शहबाज सरकार को एटमी हथियार बेचने के लिए एक ठोस रणनीति बनाने की सलाह दी है। उसने दावा किया कि इससे पाकिस्तान की माली हालात ठीक हो जाएगी।

जैद हामिद ने कहा कि घातक हथियारों की ब्रिकी से पाकिस्तान को कभी कर्ज लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी। उसने गौरी और गजनवी जैसे मिसाइलों तक को बेचने की हिदायत दी। बुलेटिन ऑफ द एटॉमिक साइंटिस्ट की रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान के पास अभी 165 वारहेड्स का परमाणु जखीरा है। जैद हामिद के दावे के अनुसार पाकिस्तान के 5 वारहेड्स की कीमत 25 अरब डॉलर लगाई जाए तो 20 वॉरहेड्स बेचने पर वो 100 अरब डॉलर हासिल कर लेगा।

टी20 विश्व कप की मेजबानी करना चाहता है अमेरिका, अब एमएलसी के सफल आयोजन पर टिकाई नजरें

बेंगलुरू। (एजेंसी)। अमेरिका क्रिकेट (यूएसएसी) ने बुधवार को कहा कि देश में उचित क्रिकेट बुनियादी ढांचे की कमी से जुड़ी चिंताओं के कारण उनसे टी20 विश्व कप 2024 की मेजबानी नहीं छीनी जाएगी। उन्होंने साथ ही कहा कि मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) के सफल आयोजन से सभी संदेह दूर हो जाएंगे। इस तरह की खबरें हैं कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) इस शीर्ष टूर्नामेंट को वेस्टइंडीज और अमेरिका की संयुक्त मेजबानी की जगह अगले साल इंग्लैंड में स्थानांतरित कर सकता है।

यूएसएसी के एक अधिकारी ने हालांकि कहा कि उन्हें वैश्विक संस्था से स्थल स्थानांतरित करने को लेकर कोई सूचना नहीं मिली है। अमेरिका क्रिकेट के एक प्रशासक ने पीटीआई से कहा, ''इस संबंध में हमारी आईसीसी के साथ कोई चर्चा नहीं हुई है। एक साल बाद होने वाले टी20 विश्व कप के लिए जरूरी बुनियादी ढांचा तैयार करने के लिए हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रहे हैं।'' अधिकारी ने कहा, ''अस्थाई आयोजन स्थल आदि को लेकर चिंता स्वाभाविक है क्योंकि अमेरिका नियमित रूप से क्रिकेट प्रतियोगिताओं की मेजबानी नहीं करता लेकिन हम मेजर लीग क्रिकेट का आयोजन करने वाले हैं और इस टी20 टूर्नामेंट की सफल मेजबानी काफी चिंताओं को दूर कर देगी।''

पहला एमएलसी टी20 टूर्नामेंट 13 से 30 जुलाई तक खेला जाएगा। टूर्नामेंट में छह टीम हिस्सा लेंगी और इसके मुकाबले टेक्सास के ग्रैंड प्रेरी स्टेडियम में होंगे। इंग्लैंड के जेसन रॉय, ऑस्ट्रेलिया के एडम जंपा, मैथ्यू वेड, मार्कस स्टोइनिस और मोइजेस हेनरिक्स सहित दुनिया भर के कई बड़े क्रिकेटरों ने एमएलसी टी20 से करार किया है। आईसीसी ने भी हालांकि वेस्टइंडीज और अमेरिका से टी20 विश्व कप को स्थानांतरित करने की खबरों को अधिक तवज्जो नहीं दी। आईसीसी बोर्ड के एक सदस्य ने पीटीआई से कहा, ''टी20 विश्व कप 2024 को वेस्टइंडीज और अमेरिका से स्थानांतरित करने को लेकर आईसीसी के किसी भी मंच पर कोई चर्चा नहीं हुई।'' अधिकारी ने कहा, ''इसका (टूर्नामेंट) पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजन होगा और जल्द ही आयोजन स्थलों को लेकर घोषणा की जाएगी।''

भारतीय क्रिकेट टीम ने फ्लोरिडा के लॉडरहिल के सेंट्रल ब्रोवार्ड पार्क में वेस्टइंडीज के खिलाफ कुछ अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। आईसीसी की स्थल निरीक्षण टीम ने प्रतियोगिता के संभावित स्थल के रूप में ओकलैंड, फ्लोरिडा और लॉस एंजिलिस जैसे शहरों का दौरा किया है। माना जा रहा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबले

का आयोजन वेस्टइंडीज की जगह अमेरिका में किया जाएगा क्योंकि यहां दोनों टीमों के काफी समर्थक हैं। भारत और पाकिस्तान का मुकाबला आईसीसी टूर्नामेंट के सबसे बड़े मुकाबलों में से एक होता है।

फ्रेंच ओपन 2023: अल्कारेज और नोवाक जोकोविच की होगी सेमीफाइनल में भिड़ंत

पेरिस (एजेंसी)। टेनिस की दुनिया में, समय-समय पर नई प्रतिभाएं उभरती हैं उन प्रतिभाओं में से एक हैं स्पेन के खिलाड़ी कार्लोस अल्कारेज, जिन्होंने छह जून को खेले गए मुकाबले में पांचवें नंबर के खिलाड़ी स्टीफानोस सितसिपास को हराकर सेमीफाइनल का टिकट पक्का किया है। अब सेमीफाइनल में कार्लोस अल्कारेज का मुकाबला नोवाक जोकोविच से होगा।

गौरतलब है कि दो बार के फ्रेंच ओपन चैंपियन नोवाक जोकोविच ने सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए 11वीं सीड रुस के कैरन खाचानोव को हराया था। इस मुकाबले में पहला सेट नोवाक जोकोविच हार गए थे मगर इसके बाद उन्होंने मुकाबले में शानदार बापसी की थी। इस मुकाबले में उन्हें कैरन खाचानोव से कड़ी टक्कर मिली थी। इस मुकाबले के बाद नोवाक जोकोविच ने कहा था कि पहले दोनों सेटों के दौरान कैरन ने बेहतर खेल दिखाया था। शुरुआती दो सेटों के दौरान मुझे अपनी लय ढूंढने में संघर्ष करना पड़ा था। इस दौरान मैंने कुछ गलतियां की थी। मगर दूसरे सेट के टाई ब्रेक में वापसी करने के बाद जीतना मुश्किल नहीं रहा था।

केन्द्रीय खेलमंत्री ठाकुर के साथ हुई बैठक में पहलवानों ने रखीं पांच मांगें

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे पहलवानों की आज केन्द्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर के साथ एक बैठक हुई। इससे पहले खेलमंत्री ने कहा था कि सरकार पहलवानों से बातचीत के लिए तैयार है। ठाकुर से हुई बातचीत से साफ है कि सरकार अब पहलवानों का मामले को जल्द से जल्द हल करना चाहती है। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक की अगुवाई में शीर्ष पहलवानों की ठाकुर के साथ उनके आवास पर बुधवार सुबह यह बैठक हुई। इस बैठक में पहलवानों ने मंत्री के सामने पांच मांगें रखीं। इसमें फेडरेशन का स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव और महिला चीफ की नियुक्ति शामिल है। उन्होंने यह भी कहा कि बृजभूषण या उनके परिवार का कोई भी सदस्य कुश्ती महासंघ का हिस्सा नहीं होना चाहिए। पहलवानों ने पिछले महीने नई संसद के उद्घाटन वाले दिन दर्ज केस को भी खत्म करने को कहा। साथ ही बृजभूषण की गिरफ्तारी की मांग दोहराई। प्रदर्शन में शामिल विनेश फोगाट बैठक में नहीं पहुंचीं क्योंकि वह हरियाणा में अपने गांव थीं। शुरू में खबर आई थी कि किसान नेता राकेश टिकैत भी खेल मंत्री के घर पर पहुंचे लेकिन वह नहीं पहुंचे। इससे पहले गृहमंत्री अमित शाह से हुई मुलाकात के बाद पहलवान अपनी-अपनी नौकरियों पर लौट गये थे। माना जा रहा है कि उसकी जानकारी नहीं होने से किसान नेता बातचीत से दूर हुए हैं। आज सुबह एक कार खेल मंत्री के घर दाखिल हुई तो कहा गया कि राकेश टिकैत भी पहलवानों के साथ पहुंचे हैं लेकिन वह करनाल में मौजूद हैं। इससे पहले पहलवानों की तरफ से कहा गया था कि बंद कमरे में कोई बातचीत नहीं होगी। दरअसल, जिन परिवारों से ये पहलवान आते हैं, उनके अपने किसान और खाप पंचायतें समर्थन में खड़ी होते गईं।

विश्व कप 2023 में पाकिस्तान ने फिर अटकाया रोड़ा,

नजम सेठी ने नरेंद्र मोदी स्टेडियम में मुकाबला खेलने से किया इंकार

कराची। (एजेंसी)। इस वर्ष अक्टूबर नवंबर में भारत में आईसीसी विश्व कप 2023 का आयोजन होना है। इस विश्व कप के आयोजन को लेकर भारत में कई तैयारियां हो रही है। हर बीतते दिने के साथ विश्व कप अधिक नजदीक आता जा रहा है। विश्व कप 2023 को लेकर पाकिस्तान कई बार गिदड़ भभकी दे चुका है कि वो विश्व कप का हिस्सा नहीं बनेगा। पाकिस्तान विश्व कप को लेकर अपनी नापाक हरकतों को लगातार जारी रखे हुए है।

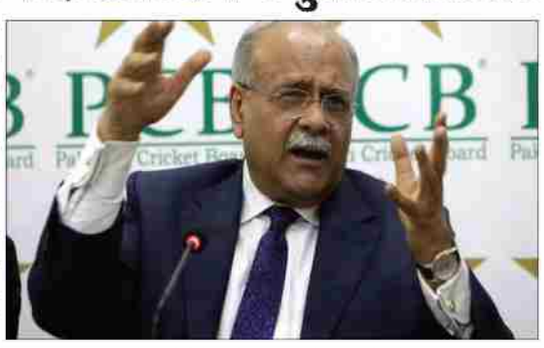

पाकिस्तान की टीम विश्व कप के आयोजन में कई तरह के अड़ंगे लगाने में जुटी हुई है। इसी बीच पाकिस्तान ने नया ड्रामा शुरू कर दिया है। अब पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष नजम सेठी ने आईसीसी के चेयरमैन ग्रेग बार्कले को विश्व कप के दौरान अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम पर चिर प्रतिद्वंद्वी भारत के खिलाफ खेलने को लेकर अपनी आशंकाओं से अवगत करा दिया है। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष नजम सेठी ने साफ किया है कि पाकिस्तान क्रिकेट टीम विश्व कप के दौरान सिर्फ कोलकाता, चेन्नई और बेंगलुरू में ही मुकाबले खेलेगा। बता दें कि विश्व कप 2023 को लेकर हाल ही में बार्कले और आईसीसी महाप्रबंधक ज्योफ अलार्डिस पीसीबी अधिकारियों से यह आश्वासन लेने आये थे कि पाकिस्तान भारत में आयोजित होने जा रहे विश्व कप में हिस्सा लेगा। साथ ही पाकिस्तान से ये भी आश्वासन लेना था कि पाकिस्तान वनडे विश्व कप में अपने मैच तटस्थ स्थान पर कराने की मांग नहीं करेगा।

हाइब्रिड मॉडल पर हंगामा

एसीसी 'हाइब्रिड मॉडल' पर एशिया कप के मैचों की मेजबानी की उनकी मांग ठुकराने जा रहा है। पीसीबी सूत्रों के अनुसार, ''सेठी ने बार्कले और अलार्डिस को सूचित कर दिया है कि पाकिस्तान अहमदाबाद में मैच नहीं खेलना चाहता जब तक कि यह नॉकआउट या फाइनल जैसा मैच ना हो।'' इसका सीधा अर्थ है कि पाकिस्तान की टीम लीग मुकाबलों को अहमदाबाद में खेलना नहीं चाहता है। उन्होंने कहा, ''उन्होंने आईसीसी से अनुरोध किया है कि अगर पाकिस्तान सरकार भारत जाकर विश्व कप खेलने की अनुमति देती है तो पाकिस्तान के मैच चेन्नई, बेंगलुरू और कोलकाता में कराये जायें।'' पाकिस्तान बोर्ड अहमदाबाद में टीम की सुरक्षा को लेकर चिंतित है हालांकि इंजमाम उल हक की कप्तानी में 2005 में पाकिस्तानी टीम ने मोटेरा पर मैच खेला था। सेठी ने यह भी कहा है कि अगले पांच साल के चक्र के लिये आईसीसी के राजस्व में अगर पाकिस्तान का हिस्सा बढ़ाया नहीं जाता तो वे नये राजस्व मॉडल को स्वीकार नहीं करेंगे।

डब्ल्यूटीसी फाइनल में काली पट्टी बांधकर उतरे खिलाड़ी

लंदन । भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच आज से यहां शुरु हुए आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में दोनो ही टीमों के खिलाड़ी अपनी बांह पर काली पट्टी बांधकर मैदान पर उतरे । दोनो ही टीमों के खिलाड़ियों ने ये काली पट्टी उड़ीसा रेल हादसे के मृतकों को श्रद्धांजलि देने के लिए बांधी हुई थीं । इस हादसे में तीन तीनों की टक्कर में कई लोगों को जान गंवानी पड़ी है । इसी कारण मैच शुरू होने से पहले मृतकों की याद में खिलाड़ियों ने मौन धारण भी किया । वहीं भारतीय बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपने एक बयान में कहा, टीम इस हादसे में मौतों पर शोक व्यक्त करती है और उन सभी लोगों के परिवारों और दोस्तों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती है, जिन्होंने दुखद रूप से अपनी जान गंवाई है ।

शुभमन शीर्ष स्तर पर बेहतर प्रदर्शन में सक्षम : कोहली

लंदन । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनमें गजब का कौशल है और वह शीर्ष स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं । विराट ने उम्मीद जतायी कि शुभमन आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप डब्ल्यूटीसी) फाइनल में बेहतर बल्लेबाजी करेंगे । इस पूर्व कप्तान ने कहा कि उन्हें शुभमन की बल्लेबाजी क्षमताओं पर भरोसा है । इस युवा बल्लेबाज ने गत एक साल में तीनों प्रारूपों में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है । इस बल्लेबाज ने इस साल की शुरुआत में ही न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय में शानदार दोहरा शतक भी लगाया था । इसके अलावा आईपीएल में भी उन्होंने तीन शतक के साथ ही कुल 890 रन बनाए । कोहली ने कहा कि शुभमन बेहद प्रतिभाली खिलाड़ी हैं और इस उम्र में भी उनमें उच्चतम स्तर पर शानदार प्रदर्शन करने की क्षमता है । कोहली ने कहा, वह खेल को लेकर मुझसे काफी बातें करते हैं जिससे पता चलता है कि उनमें सीखने की उत्सुकता है । इस उम्र में भी उनमें गजब का कौशल है । उन्होंने कहा, उनके पास उच्चतम स्तर पर प्रदर्शन करने की अद्भुत क्षमता और स्वभाव है और वह आश्वस्त हैं और हमारे बीच वह रिश्ता है और हमारे पास सम्मान के आधार पर समझ है । 15 टेस्ट मैचों में दो शतक अपने नाम करने के बाद भी शुभमन गिल अभी भी लाल गेंद से अपने कौशल का पूरी तरह से प्रदर्शन करने की प्रक्रिया में हैं । कोहली ने कहा, मैं उसे बढ़ने में सहायता करने और वास्तव में उसकी क्षमता को समझने और अपने दम पर आने के लिए उत्सुक हूं ताकि वह लंबे समय तक खेल सके और लगातार प्रदर्शन कर सके और भारतीय क्रिकेट को फायदा हो ।

वेस्टइंडीज ने दूसरे एकदिवसीय में भी यूएई को हराकर सीरीज जीती

शारजाह (एजेंसी)। सलामी बल्लेबाजों ब्रेंडन किंग और जॉनसन चार्ल्स की शानदार बल्लेबाजी की सहायता से वेस्टइंडीज ने दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में भी यूएई को 78 रन से हराकर तीन मैच की एकदिवसीय सीरीज में 2-0 से जीत दर्ज की है। वेस्टइंडीज ने पहले मैच में सात विकेट से जीत हासिल की थी।

वेस्टइंडीज की टीम की ओर से किंग ने 64 और चार्ल्स ने 63 रन बनाये। इन दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 129 रनों की साझेदारी हुई। इस प्रकार टीम ने 49.5 ओवर में 306 रन बनाये। इस मैच में अच्छी शुरुआत के बाद केसी कार्टी ने 32, शाई होप ने 23 और केवेम हॉज ने 26 रन बनाये। वहीं अंत में ओडियन स्मिथ ने 24 गेंद में 37 रन बनाकर अपनी टीम को 300 रनों के ऊपर पहुंचाया। वहीं यूएई की ओर से जहूर खान ने 44 रन देकर तीन विकेट लिए। वहीं अली नसीर, सचित शर्मा और अयान अफजल खान ने भी दो-दो विकेट लिए।

यूएई की टीम बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए लड़खड़ा गयी और 95 रन पर ही उसकी आधी टीम पेवेलियन लौट गयी। इसके बाद अली नसीर 57 और बासिल हमीद 49 ने

छठे विकेट के लिए 80 रन बनाकर अपनी टीम को सम्मान जनक स्कोर तक पहुंचाया पर अपनी टीम को हार से बचा नहीं पाये। यूएई की टीम ने सात विकेट पर 228 रन बनाए। वेस्टइंडीज की ओर से हॉज ने 46 जबकि रोस्टन चेस ने 49 रन देकर दो-दो विकेट लिए।

इस साल भारतीय फुटबॉल टीम को खेलने है कई टूर्नामेंट

नई दिल्ली । एशियाई कप को देखते हुए भारतीय टीम भुवनेश्वर में नौ से 18 जून तक हीरो इंटरकॉन्टिनेंटल कप और बेंगलुरु में सैफ चैंपियनशिप में 21 जून से चार जुलाई तक खेलेगी । वहीं इस साल के अंत में भारतीय टीम थाईलैंड में किंग्स कप और मलेशिया में मर्डेका कप में भी शामिल होगी । इसके साथ ही (एआईएफएफ) के अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने की योजना को मिडफील्डर लालेंगमाविया राल्टे ने सही करार दिया और कहा है कि इससे टीम को लाभ होगा पर खिलाड़ियों के चोटिल होने की आशंकाएं भी बढ़ जाएंगी । राल्टे ने कहा, ''यह पहली बार है जब भारतीय टीम एक साल में इतने सारे मैच खेलेगी । इससे हमारे खिलाड़ियों को मैदान पर बेहतर तालमेल बिठाने में सहायता मिलेगी क्योंकि हम आमतौर पर अपने राष्ट्रीय टीम के साथ कम ही मैच खेलते हैं ।'' इस युवा खिलाड़ी ने कहा, '' फुटबॉल एक टीम खेल है, इसलिए साथ रहना अहम है । इसमें ये जानने की जरूरत है कि कौन सा खिलाड़ी किस तरह से अवसर बनाना पसंद करता है और कहां गेंद चाहता है । ऐसे में हम उसके साथ जितना अधिक खेलेंगे । हमारा समन्वय बेहतर होता जाएगा ।''

पीवी सिंधू के समर्थन में उतरे कोच गोपीचंद, कहा उनकी फॉर्म को लेकर परेशान होने की जरुरत नहीं

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय शटलर और ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधू की सिंगापुर ओपन में शुरुआत अच्छी नहीं रही है। ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु और मलेशिया मास्टर्स के विजेता एचएस प्रणॉय को पहले ही राउंड में बाहर होना पड़ा है। गत चैंपियन पीवी सिंधू को दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी जापान की अकाने यामागुची को कड़ी चुनौती पेश करनी पड़ी थी मगर इसके बाद भी वो टूर्नामेंट से बाहर हो गई।

कोच आए बचाव में

सिंगापुर ओपन में दमदार प्रदर्शन करने में फेल हुई पीवी सिंधू की फॉर्म को लेकर कई सवाल भी उठने लगे हैं। इन सभी मामलों पर भारत के मुख्य बैडमिंटन कोच पुलेला गोपीचंद ने पीवी सिंधू का बचाव किया है। पुलेला गोपीचंद को लगता है कि चोट से वापसी करने के बाद दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू का अनिरंतर प्रदर्शन

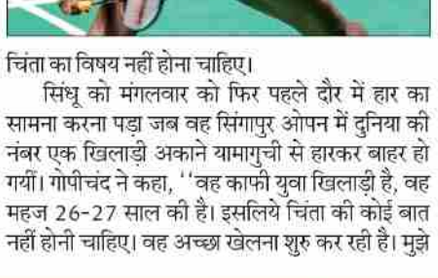

चिंता का विषय नहीं होना चाहिए।

सिंधु को मंगलवार को फिर पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा जब वह सिंगापुर ओपन में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी अकाने यामागुची से हारकर बाहर हो गयीं। गोपीचंद ने कहा, ''वह काफी युवा खिलाड़ी है, वह महज 26-27 साल की है। इसलिये चिंता की कोई बात नहीं होनी चाहिए। वह अच्छा खेलना शुरु कर रही है। मुझे भविष्य में उसके अच्छे खेलने की उम्मीद है। '' रियो ओलंपिक 2016 में रजत पदक और तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली सिंधू को पिछले साल टखने में चोट लगी थी जिससे वह बीडब्ल्यूएफ महिला एकल रैंकिंग में शीर्ष 10 से भी बाहर हो गयी थी। इस चोट के कारण वह चार महीने तक खेल से दूर रहीं।

कुछ समय से ऐसा है सिंधु का ग्राफ

एक घंटे से अधिक चले मुकाबले में तीन गेम में 21-18 19-21 17-21 से हार झेलनी पड़ी। वह पिछले हफ्ते थाईलैंड ओपन के भी पहले दौर में हार गई थी। मलेशिया मास्टर्स के रूप अपना पहला बीडब्ल्यूएफ खिताब जीतने के बाद इस टूर्नामेंट में उतरे प्रणय के पास युवा कोडाई नेरोका की चुनौती का कोई जवाब नहीं था। जापान के तीसरे वरीय खिलाड़ी ने 56 मिनट चले मुकाबले में 21-15 21-19 से जीत दर्ज की।

मुचोवा और सबालेंका फेंच ओपन के सेमीफाइनल में

पेरिस । दूसरी वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका और करोलिना मुचोवा ने फेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल मे अपने-अपने मुकाबले जीतकर पहली बार सेमीफाइनल की टिकट पक्की की जहां दोनों खिलाड़ी गुरुवार को एक दूसरे के आमने सामने होंगे । सबालेंका ने येलिना स्वितोलिना को 6-4, 6-4 से मात दी जबकि गैरवरीय मुचोवा ने 2021 की उपविजेता अनास्तासिया पावलुचेनकोवा को 7-5, 6-2 से शिकस्त देकर अंतिम चार में जगह पक्की की । दोनों खिलाड़ी पहली बार इस ग्रैंडस्लैम के सेमीफाइनल में पहुंचे है । इससे पहले रोलां गौरां में दोनों का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन तीसरे दौर में पहुंचना था । यूक्रेन की खिलाड़ी स्वितोलिना ने मैच गंवाने के बाद बेलारूस की अपनी प्रतिद्वंद्वी से हाथ नहीं मिलाया । उनकी इस हरकत का दर्शकों के एक वर्ग ने शोर मचाकर विरोध किया । बैलारूस ने यूक्रेन हमले पर खुल कर रूस का समर्थन किया है । सबालेंका ने टूर्नामेंट में अभी तक एक भी सेट नहीं गंवाया है । इस से पहले खेले गये मुकाबले में मुचोवा के खिलाफ पावलुचेनकोवा के खेल पर थकान हावी रहा । उनका पिछला मुकाबला तीन घंटे से अधिक चला था । उन्होंने मुकाबले के दूसरे सेट में आसानी से घुटने टेक दिये । पहले सेट में मुचोवा को टक्कर देने के बाद पावलुचेनकोवा ने दूसरे सेट में वापसी की कोशिश की । उन्होंने कुछ दमदार मैदानी शॉट लगाये लेकिन 1-4 से पिछड़ने के बाद उनके लिए वापसी करना मुश्किल हो गया । मुचोवा दो साल पहले ऑस्ट्रेलियाई ओपन के सेमीफाइनल में पहुंची थी ।

भारत के पिस्टल निशानेबाजों ने सुहल जूनियर विश्व कप में दो और स्वर्ण पदक जीते

सुहल । भारत के पिस्टल निशानेबाजों ने आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए मंगलवार को यहां दो और स्वर्ण पदक जीते । भारत ने यह पदक पुरुषों की 25 मीटर स्पर्धा और महिलाओं के 25 मीटर टीम स्पर्धा में जीते । पुरुषों की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में अमनप्रीत सिंह ने 586 अंक बनाकर सोने का तमगा हासिल किया जबकि महिलाओं की 25 मीटर की स्पर्धा में मेघना सादुला, पायल खत्री और सिमरनप्रीत कौर बराड़ ने 1719 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया । भारतीय टीम ने अब तक पांच स्वर्ण, चार रजत और दो कांस्य पदक जीते हैं और वह पदक तालिका में शीर्ष पर काबिज है । प्रतियोगिता में अभी दो दिन का खेल होना बाकी है । महिलाओं की व्यक्तिगत स्पर्धा में भारत के तीन निशानेबाज मेघना, पायल और दिव्यांशी फाइनल में पहुंची । फाइनल में मेघना 22 अंक के साथ चौथे, पायल 18 अंक के साथ पांचवें और दिव्यांशी 11 अंक के साथ सातवें स्थान पर रही । पुरुषों की व्यक्तिगत स्पर्धा में अमनप्रीत के अलावा स्वराज भोंडावे 574 अंक के साथ आठवें, मेशाक पोन्नुदुरई 574 अंक लेकर नौवें, अभिमन्यु यादव 571 अंक के साथ 13वें और अंकित तोमर 569 अंक के साथ 14वें स्थान पर रहे । पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में अविनाश यादव 573 के स्कोर के साथ 28वें, परीक्षित सिंह बराड़ 572 के साथ 31वें, रामन्या तोमर 567 के साथ 40वें और हर्ष सिंह 566 के स्कोर के साथ 45वें स्थान पर रहे ।

महिला जूनियर एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट

चीनी ताइपे को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाने उतरेगी भारतीय टीम

काकामिगाहारा (एजेंसी)। भारतीय टीम गुरुवार को यहां चीनी ताइपे के खिलाफ महिला जूनियर एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट के अपने अंतिम पूल मैच में जीत के साथ ही सेमीफाइनल में पहुंचने के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम ने अब तक हुए अपने सभी मैच में शानदार प्रदर्शन किया है। पहले मैच में भारतीय टीम ने उज्बेकिस्तान को 22-0 से हराने के बाद मलेशिया को 2-1 से पराजित किया। वहीं अपने पिछले पूल मैच में भारतीय टीम ने दो गोल से पीछे होने के बाद भी शानदार वापसी दक्षिण कोरियाई टीम को 2-2 से बराबरी पर रोका।

भारतीय टीम अब पूल ए में दो जीत और एक ड्रॉ के साथ ही कुल सात अंक लेकर शीर्ष पर पहुंच गयी है। ऐसे में सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए उसे चीनी ताइपे के खिलाफ केवल एक ड्रॉ की ही जरुरत है। भारत की ओर से अब तक मुमताज खान और दीपिका सोरेंग के अलावा दीपिका ने अब तक सभी मैचों में गोल दागे हैं और टीम को इनसे इस मैच में भी गोल की उम्मीद रहेगी। भारतीय टीम इस मैच में कमजोर टीम चीनी ताइपे के खिलाफ भी पूरी गंभीरता से उतरेगी।

भारतीय टीम की कप्तान प्रीति ने कहा, 'टूर्नामेंट अब तक हमारे लिए अच्छा रहा है क्योंकि हमने कोई मैच नहीं खोया है। मलेशिया और कोरिया के खिलाफ मुकाबले करीबी रहे पर इसने हमें अपनी क्षमताओं को दिखाने का अवसर मिला है। हाल के अपने अच्छे प्रदर्शन को देखते हुए टीम को चीनी ताइपे के खिलाफ बड़ी जीत का भरोसा है।

पीएम की डिग्री : मानहानि केस में केजरीवाल और संजय सिंह को 13 जुलाई को अदालत में पेश होने का आदेश

अहमदाबाद, 07 जून (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की डिग्री से जुड़े एक मामले में अहमदाबाद कोर्ट में आज सुनवाई होनी थी। लेकिन केजरीवाल और सांसद संजय सिंह दोनों पेशी पर नहीं गए।

अहमदाबाद की एक अदालत ने बुधवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और राज्यसभा सदस्य संजय सिंह को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की डिग्री के संबंध में व्यंग्यपूर्ण और अपमानजनक टिप्पणी को लेकर आपराधिक मानहानि के मामले में 13 जुलाई को अदालत के समक्ष पेश होने को कहा है।

आम आदमी पार्टी (आप) के दोनों नेताओं को इससे पहले मेट्रोपोलिटन अदालत ने सात जून को उसके समक्ष पेश होने के लिए समन किया था। गुजरात विश्वविद्यालय (जीयू) ने दोनों के खिलाफ मामला दायर करवाया है।

केजरीवाल और सिंह की ओर से बुधवार को पेश हुए उनके वकीलों ने अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट जयेश चोवटिया की अदालत में अपने-अपने मुवक्किलों को पेशी से छूट का अनुरोध करते हुए एक अर्जी दी और शिकायत से संबंधी दस्तावेज देने का अनुरोध किया।

गुजरात विश्वविद्यालय की ओर से पेश हुए वकील अमित नायर ने कहा, केजरीवाल और सिंह की ओर से उनके वकील आज अदालत में पेश हुए और अदालती दस्तावेज देने का अनुरोध करते हुए अर्जी दी है। अदालत ने उन्हें ये दस्तावेज मुहैया करा दिए... उन्होंने आज अदालत में अपने मुवक्किलों की अदालत में पेशी से छूट का अनुरोध करते हुए आवेदन भी दिया।

उन्होंने कहा कि अदालत ने पेशी से छूट के आवेदन को स्वीकार करते हुए सांसदों और विधायकों के खिलाफ त्वरित सुनवाई के लिए एक परिपत्र का जिक्र किया और उनसे पूछा कि वे कब तक उपस्थित हो सकते हैं। प्रतिवादियों ने कहा कि वे याचिका को लेकर बयान दर्ज कराने के लिए 13 जुलाई को उपस्थित रहेंगे।

इससे पहले, अदालत ने प्रथम दृष्टया दोनों आप नेताओं के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 500 (मानहानि) के तहत मामला पाकर उन्हें समन किया था।

प्रधानमंत्री मोदी की डिग्री पर गुजरात उच्च न्यायालय द्वारा मुख्य सूचना आयुक्त के आदेश को खारिज किए जाने के बाद गुजरात विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार पीयूष पटेल ने दोनों नेताओं की टिप्पणियों को लेकर उनके खिलाफ मानहानि का मामला दायर करवाया।

शिकायतकर्ता ने कहा कि उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में और ट्विटर पर मोदी की डिग्री को लेकर विश्वविद्यालय को निशाना बनाते हुए अपमानजनक बयान दिए, गुजरात विश्वविद्यालय के खिलाफ उनकी टिप्पणी मानहानिकारक है और इसका उद्देश्य विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाना था।

शिकायतकर्ता द्वारा उद्धृत और केजरीवाल के हवाले से की गईं कुछ टिप्पणियां हैं: अगर कोई डिग्री है और यह वास्तविक है, तो इसे क्यों नहीं दिया जा रहा है?, वे डिग्री नहीं दे रहे हैं क्योंकि यह नकली हो सकती है और अगर प्रधानमंत्री ने दिल्ली विश्वविद्यालय और गुजरात विश्वविद्यालय में अध्ययन किया है, तो गुजरात विश्वविद्यालय को जश्न मनाना चाहिए कि उसका छात्र देश का प्रधानमंत्री बन गया।

विश्वविद्यालय के अनुसार सिंह ने कहा कि वे (जीयू) प्रधानमंत्री की फर्जी डिग्री को सही साबित करने की कोशिश कर रहे हैं।

ओडिशा ट्रेन हादसे की सच्चाई बाहर आने से रोक रहा केंद्र : सीएम ममता

कोलकाता, 07 जून (एजेन्सी)। ओडिशा के बालासोर में हुए दर्दनाक ट्रेन हादसे को पांच दिन बीत जाने के बाद कई ऐसे सवाल हैं, जिन्हें लगातार विपक्ष केंद्र सरकार से पूछ रहा है। इस मामले पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को भाजपा शासित केंद्र सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि ओडिशा में ट्रेन दुर्घटना के कारणों को दबाने की कोशिश की जा रही है। आगे सीएम बनर्जी ने दावा किया कि सीबीआई ट्रिपल ट्रेन हादसे की जांच के लिए लगी हुई है लेकिन इसके सबूत पहले ही हटा दिए गए।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि इस घटना में पश्चिम बंगाल के 103 लोग मारे गए और उनमें से अब तक 86 की पहचान की जा सकी है। साथ ही बोलीं कि 172 को गंभीर चोटें आईं हैं जबकि 635 को मामूली चोटें आईं। सीएम ममता ओडिशा के बालासोर जिले में हुई दुर्घटना में मारे गए और घायल हुए बंगाल के निवासियों के परिजनों को चेक और नियुक्ति पत्र सौंपने के लिए पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रही थीं।

उन्होंने निशाना साधते हुए कहा कि केंद्र ने सीबीआई को बंगाल में 14-16 नगरपालिकाओं में भेजा है जबकि बालासोर दुर्घटना के कारणों को दबाने की कोशिश की जा रही है। बता दें कि केंद्रीय जांच एजेंसी ने बंगाल में नगरपालिकाओं में विभिन्न भर्तियों से जुड़ी अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में बुधवार को पश्चिम बंगाल में कई स्थानों पर छापेमारी की।

आगे ममता बनर्जी ने कहा कि भाजपा सरकार सच्चाई को दबा नहीं पाएंगी। मैं चाहती हूं कि सच्चाई सामने आए। दुर्घटना में घायल और मारे गए लोगों के परिवार के सदस्य भी दुर्घटना का कारण जानना चाहते हैं। इसके पीछे के दोषियों को सख्त से सख्त सजा मिलनी चाहिए। आगे बोलीं कि मैंने पिछले कुछ दिनों में कटक और भुवनेश्वर के विभिन्न अस्पतालों में इलाज करा रहे घायल ट्रेन दुर्घटना पीड़ितों को सहायता प्रदान करने के लिए दो बार ओडिशा का दौरा किया है।

घटना के बाद ट्रैक भी सुधार दिया गया है और ट्रेनों की आवाजाही भी शुरू हो चुकी है। लेकिन अभी भी घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुटती है। लोग मोबाइल कैमरों से लैस होकर दुर्घटना में शामिल ट्रेनों के क्षतिग्रस्त अवशेषों को देखने के लिए यहां पहुंच रहे हैं। इस दौरान पुलिस भी उन लोगों को हटाती नजर आती है।

अपने पशुओं की सुरक्षा को लेकर जागरुक हों किसान : मंत्री शर्मा

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 07 जून । चूंकि सिक्किम राज्य में लंपी वायरस का संक्रमण बढ़ रहा है, अब इसे रोकने के लिए विभाग की ओर से जोरशोर से पहल की जा रही है। सिक्किम के सभी 6 जिलों में लंपी वायरस फैलने के बाद अब सभी 6 जिलों में विभागीय अधिकारियों और डॉक्टरों द्वारा वायरस से बचाव के लिए टीकाकरण किया जा रहा है।

सिक्किम सरकार के कृषि एवं पशुपालन विभाग के मंत्री लोकनाथ शर्मा द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार राज्य में 35 हजार से अधिक गायों का टीकाकरण किया जा चुका है और 13 सौ गाय इस वायरस से संक्रमित पाई गई हैं। उन्होंने कहा कि 615 गायें ठीक हो चुकी हैं और 51 गायों की मौत हो चुकी है और अन्य का उपचार चल रहा है।

मंत्री लोकनाथ शर्मा ने यह भी बताया कि सिक्किम में इस संक्रमण के सामने आते ही विभाग द्वारा बाहर से जानवरों को लाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। मंत्री शर्मा ने बीमारी के प्रकोप को देखते हुए लोगों से इस बीमारी के प्रति जागरूक होने का भी आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि चूंकि प्राकृतिक आपदा के रूप में उभरी इस बीमारी को अकेले विभागीय पहल से नहीं रोका जा सकता, इसलिए मंत्री शर्मा ने आग्रह किया कि लोगा अपने पशुओं की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दें और पालतू पशुओं को एक स्थान से दूसरे स्थान पर न ले जाएं। बीमारी की शुरुआत के दौरान, विभाग ने अपने पशुओं को खोने वाले लोगों को मुआवजा दिया था, लेकिन चूंकि विभाग के पास इस बीमारी की भरपाई के लिए प्रावधान नहीं थे, इसलिए उन्होंने लोगों को पालतू जानवरों का बीमा कराने का सुझाव दिया।

इसके साथ ही मंत्री शर्मा ने कहा कि पशु किसानों के जीविकोपार्जन का एक प्रमुख अंग है इसलिए सरकार इस रोग से पशुओं को गुमाने वाले किसानों के लिए कुछ न कुछ प्रावधान अवश्य करेगी और इस विषय पर केंद्र सरकार के साथ भी चर्चा की जा रही है।

नगालैंड में बिकेगा कुत्ते का मांस, गुवाहाटी हाईकोर्ट ने सरकार के आदेश को किया रद्द

कोहिमा, 07 जून (एजेन्सी)। नगालैंड सरकार ने राज्य में कुत्ते के मांस पर बिक्री पर रोक लगा दी थी। अब 2020 के सरकार के आदेश को गुवाहाटी हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया है। अब कुत्तों के मांस खुले बाजारों और रेस्तरां में बिक सकेगा। चार जुलाई, 2020 को नगालैंड सरकार ने अपने मुख्य सचिव के माध्यम से कुत्ते के मांस की बिक्री, व्यापार और आयात पर प्रतिबंध लगा दिया था, जिसके बाद बोरे से बंधे अक्षम कुत्तों की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो गई थी।

न्यायमूर्ति मार्ली वानकुंग ने तीन व्यक्तियों नीजेवोली कुओत्सु, अबेई जत्सु और केतोन्यूयू की याचिका पर सुनवाई के बाद यह फैसला सुनाया॥ सात ही उच्च न्यायालय ने आदेश में कहा कि राज्य या उसके कार्यकारी अधिकारी दूसरों के अधिकारों में तब तक हस्तक्षेप नहीं कर सकते जब तक कि वे कानून के किसी विशिष्ट नियम की ओर इशारा नहीं कर सकते जो उनके कृत्यों को अधिकृत करता है।

याचिकाकर्ताओं के मौलिक अधिकारों के उल्लंघन और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के उल्लंघन के लिए उपयुक्त रिट जारी करने के लिए संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत याचिका दायर की गई थी।व्यापारियों ने इस बैन के कानूनी आधार और ज्यूरिस्डिक्शन (बैन के लागू होने के इलाके) को लेकर चुनौती दी थी। सरकार इस याचिका का जवाब नहीं दे सकी।

पीठ ने कहा कि नागालैंड सरकार ने विधानसभा के माध्यम से बिना कोई कानून पास करे कुत्तों के मीट पर रोक लगा दी थी, उनके द्वारा लाए गए कैबिनेट के नोटिफिकेशन की कोई कानूनी मान्यता नहीं है इसलिए इसे निरस्त किया जाता है।

पांच वर्षों में भारत में होंगे 200 एयरपोर्ट : सिंधिया

'1400 अतिरिक्त विमानों का ऑर्डर भी देंगी कंपनियां'

नई दिल्ली, 07 जून (एजेन्सी)। भारत में अगले पांच साल में 200 से ज्यादा एयरपोर्ट, हेलीपोर्ट और वाटर एयरोड्रम होंगे और भारतीय विमानन कंपनियां इस अवधि के दौरान 1,400 अतिरिक्त विमानों का ऑर्डर देंगी। विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बुधवार को यह बात कही। नरेंद्र मोदी सरकार के नौ साल में विमानन क्षेत्र के प्रदर्शन पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 2014 तक भारत में 74 एयरपोर्ट (हेलीपोर्ट और वाटर पोर्ट सहित) थे, अब यह संख्या दोगुनी होकर 148 हो गई है।

सिंधिया ने कहा, 2013-14 में भारत में छह करोड़ घरेलू हवाई यात्री थे। अब यह संख्या बढ़कर 14.5 करोड़ है, जो 135 फीसदी ज्यादा है। इसी तरह, अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रियों की संख्या इस अवधि के दौरान बढ़कर 4.7 करोड़ से बढ़कर 7 सात करोड़ हो गई है, जो 50 फीसदी अधिक है। इसके अलावा, घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों सहित 2.2 मिलियन टन से बढ़कर 3.6 मिलियन टन हो गया है, जो कि 65 फीसदी अधिक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अपनाई गई प्रगतिशील नीतियों के कारण हम दुनिया के तीसरे सबसे बड़े विमानन बाजार बन गए हैं।

बेड़े के आकार में वृद्धि के बारे में बात करते हुए सिंधिया ने कहा कि 2014 में भारतीय वाहकों के साथ विमानों की संख्या 400 थी, जो अब 75 फीसदी की वृद्धि दर्ज करते हुए 700 हो गई है। उन्होंने कहा, एयर इंडिया ने अभी 70 अरब डॉलर मूल्य के 470 विमानों का ऐतिहासिक ऑर्डर दिया है। यह तो बस शुरुआत है। उम्मीद है कि भारतीय विमानन कंपनियां अगले पांच साल में 1,200 से 1,400 अतिरिक्त विमानों का ऑर्डर देंगी। विमानन मंत्री ने कहा कि अगले पांच साल में एयरपोर्ट, हेलीपोर्ट और वाटर पोर्ट की संख्या 200 से अधिक हो जाएगी। उन्होंने कहा, 2014 में केवल तीन ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट थे। अब 11 और तैयार हैं और 10 और को मंजूरी दे दी गई है। इसी तरह पूर्वोत्तर क्षेत्र में 2014 में नौ एयरपोर्ट हुआ करते थे और यह संख्या बढ़कर 17 हो गई है। सिंधिया ने जोर देकर कहा कि एयरपोर्ट सेक्टर में अगले कुछ वर्षों में 1 लाख करोड़ रुपये का निवेश होगा। उन्होंने कहा, 2030 तक हम सालाना 45 करोड़ घरेलू यात्रियों को देखेंगे, जो वर्तमान आंकड़ों से 300 फीसदी अधिक होगा। एयरपोर्ट्स की क्षमता बढ़ाई जा रही है। वर्तमान में छह महानगरों की सभी एयरपोर्ट को मिलाकर कुल क्षमता सालाना 22 करोड़ यात्रियों की है। नवी मुंबई और ग्रेटर नोएडा के साथ क्षमता लगभग दोगुनी होकर 41.5 करोड़ हो जाएगी।

मंत्री ने कहा कि सब्सिडी वाली उड़ान योजना के तहत अब तक करीब 1.2 करोड़ यात्रियों ने 2.2 लाख उड़ानों में उड़ान भरी है। उन्होंने कहा, हम जल्द ही अंतरराष्ट्रीय उड़ान उड़ानें भी शुरू करेंगे। सिंधिया ने कहा कि हेलीकॉप्टर के उपयोग को बढ़ावा देना उड़ान-प्रशिक्षण स्कूलों को बढ़ावा देना और सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल (एसएएफ) उन क्षेत्रों में शामिल हैं, जिन पर मंत्रालय काम कर रहा है।

कोल्हापुर में विरोध प्रदर्शन, पुलिस ने किया लाठीचार्ज, छोड़े आंसूगैस के गोले

कोल्हापुर, 07 जून (एजेन्सी)। महाराष्ट्र के तत्कालीन शाही शहर कोल्हापुर में मुगल बादशाह औरंगजेब और मैसूर के राजा टीपू सुल्तान की प्रशंसा को लेकर बुधवार को विरोध प्रदर्शन और कुछ हिंदू संगठनों द्वारा बंद का आह्वान किया गया था। भीड़ ने सुरक्षा बलों पर हमला किया, पथराव भी किया। इसके अलावा, कुछ वाहनों को पलट दिया।

विरोध को उग्र होते देख स्थानीय दुकानदारों ने दुकानों के शटर गिरा दिए। वहीं पुलिस ने लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले छोड़े।

पुलिस को प्रदर्शनकारियों का पीछा करते, एक स्थान पर भीड़ को पीटते और बाद में कई डकैतों को पकड़ते और हिरासत में लेते देखा गया।

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस स्थिति की बारीकी से निगरानी कर रहे हैं। स्थानीय प्रशासन को स्थिति को नियंत्रण में लाने और प्राथमिकता पर कोल्हापुर में शांति बहाल करने के आदेश के साथ कस्बे में सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

शिंदे ने कहा, मैं स्थानीय अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में हूं.. मैं लोगों से संयम बनाए रखने और कानून को अपने हाथ में नहीं लेने का आग्रह करता हूं। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि कोल्हापुर में कानून व्यवस्था बनी रहे। फडणवीस ने साजिश की ओर इशारा करते हुए कहा, हम लोगों से शांति बनाए रखने की अपील करते हैं.. हम औरंगजेब के महिमामंडन को बर्दाश्त नहीं करेंगे..यह छत्रपति शिवाजी महाराज का राज्य है।

कैबिनेट मंत्री दीपक केसरकर और शंभुराज देसाई ने कहा कि कुछ राजनीतिक तत्व जानबूझकर राज्य में सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ने का प्रयास कर रहे हैं और चेतावनी दी है कि उनसे सख्ती से निपटा जाएगा।

विपक्षी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष शरद पवार और शिवसेना (यूबीटी) के मुख्य प्रवक्ता संजय राउत, सांसद और कांग्रेस नेताओं ने कस्बे में कानून व्यवस्था बनाए रखने में विफल रहने के लिए राज्य सरकार की आलोचना की और वहां शांति बहाल करने के लिए तत्काल कदम उठाने का आग्रह किया।

पिछले कुछ दिनों में सोशल मीडिया पर औरंगजेब और टीपू सुल्तान की कथित प्रशंसा, अहमदनगर में पोस्टर लहराने और इस तरह की अन्य छिटपुट घटनाओं के विरोध में कई हिंदू समूहों और संगठनों ने 'कोल्हापुर बंद' का आह्वान किया था। इस बीच, कोल्हापुर में विशेष रूप से कुछ संवेदनशील इलाकों में कड़ी पुलिस सुरक्षा तैनात की गई है और कथित तौर पर अन्य बलों को भी अलर्ट पर रखा गया है।

अखिलेश यादव ने केजरीवाल का किया समर्थन, बोले- केंद्र का अध्यादेश लोकतंत्र के खिलाफ है

लखनऊ, 07 जून (एजेन्सी)। केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा दिल्ली विधानसभा को लेकर लाए गए अध्यादेश के खिलाफ समर्थन जुटाने के लिए लखनऊ पहुंचे दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात की है। मुलाकात के बाद दोनों नेता मीडियाकर्मियों से भी रूबरू हुए।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि केंद्र सरकार का अध्यादेश लोकतंत्र के खिलाफ है। भाजपा की सरकार केजरीवाल सरकार द्वारा शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में किए गए कार्यों को देखकर डर गई है। इसलिए यह अध्यादेश लाई है। हम केजरीवाल सरकार का समर्थन करते हैं और राज्यसभा में अध्यादेश के खिलाफ वोट करेंगे। हमारे सभी सदस्य आम आदमी पार्टी के साथ हैं।

इसके पहले, केजरीवाल ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट में पांच जजों की बेंच ने हमारे पक्ष में फैसला दिया है। जिसके तहत चुनी हुई सरकार के पास ही प्रशासनिक शक्तियां रहेंगी पर मोदी सरकार ने अध्यादेश लाकर दिल्ली सरकार की शक्तियां छीन ली। हम अखिलेश यादव से समर्थन मांगा है कि अगर राज्यसभा में भाजपा सरकार द्वारा लगाया गया अध्यादेश गिर गया तो 2024 के लिए एक मजबूत संदेश जाएगा। अरविंद केजरीवाल प्रशासनिक अधिकारियों के ट्रांसफर और पोस्टिंग के अधिकार से संबंधित केंद्र सरकार के बिल को राज्यसभा में नामंजूर कराने की कवायद में जुटे हैं। इसके लिए केजरीवाल गैर भाजपा दल के नेताओं से मिलकर उनसे समर्थन मांग रहे हैं।

इस मौके पर मौजूद पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि केंद्र सरकार के काम करने का तरीका देश के संघीय ढांचे के खिलाफ है। राजभवन भाजपा के मुख्यालय बन गए हैं। जहां गैर भाजपा सरकारें हैं उन्हें राज्यपाल के जरिए परेशान किया जा रहा है। पंजाब में भी यही हो रहा है। यह लोकतंत्र के खिलाफ है।

समाजवादी पार्टी अध्यादेश के खिलाफ है। ऐसे में वह इस मुद्दे पर खुलकर आम आदमी पार्टी का साथ देगी। केजरीवाल से मुलाकात के बाद सपा अध्यक्ष इस मुद्दे पर साथ देने की अधिकृत घोषणा कर सकते हैं। अखिलेश इस मामले में पहले भी आपत्ति जता चुके हैं। उन्होंने ट्वीट करके अध्यादेश को न्यायपालिका का अपमान बताया था। इसलिए माना जा रहा है कि इस मुद्दे पर सपा अध्यक्ष केजरीवाल के मुहिम में साथ दे सकते हैं।

दरअसल राज्यसभा में अभी गैर भाजपा दल के सदस्यों की संख्या अधिक है। राज्य सभा में भाजपा के 93 सदस्य हैं, जबकि सहयोगी दल के सदस्यों की संख्या 12 है। इस प्रकार सत्ताधारी दल की कुल संख्या 105 है। जबकि पूरे विपक्षी की सदस्यों की संख्या 133 है। इसलिए केजरीवाल की कोशिश है कि सभी विपक्षियों को एकत्र कर लिया जाए तो केन्द्र द्वारा लाए जाने वाले बिल को राज्यसभा में नामंजूर कराया जा सकता है ।

केन्द्र सरकार के अध्यादेश के खिलाफ समर्थन जुटाने के लिए केजरीवाल बीते 23 मई से ही देश भर में घूमकर विपक्षी नेताओं से मुलाकात कर रहे हैं । केजरीवाल ने अब तक पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार, उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, एनसीपी के अध्यक्ष शरद पवार, शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे, सीपीएम के महासचिव सीताराम येचुरी और तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात कर चुके हैं।

डियर साप्ताहिक लॉटरी

कूचबिहार निवासी ने ₹1 करोड़ जीते

कूचबिहार, पश्चिम बंगाल की श्रीमती सम्पा चक्रवर्ती ने **04.04.2023** को सम्पन्न हुए डियर साप्ताहिक लॉटरी के ड्रॉ में प्रथम पुरस्कार के तौर पर रु. 1 करोड़ जीते हैं। उनकी विजेता टिकट का नंबर **96E 44857** है। उन्होंने नागालैंड स्टेट लॉटरीज के पास प्राइज क्लेम फॉर्म के साथ अपनी पुरस्कार-विजेता टिकट जमा कर दी है। ''डियर लॉटरी ने मुझे एक करोड़पति बना दिया है, जिसकी मैंने कभी अपेक्षा नहीं की थी। मैंने अपनी किस्मत आजमाने के लिए केवल कुछ रुपए की डियर लॉटरी टिकटें खरीद ली थी। यह मेरे तथा मेरे परिवार के सदस्यों के लिए रातों-रात हुआ एक चमत्कार था। डियर लॉटरी को धन्यवाद।'' विजेता ने कहा। डियर लॉटरी के ड्रॉ लाइव दिखाए जाते हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रकः नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com